इंदौर, बुधवार 22 अप्रैल 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 150
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

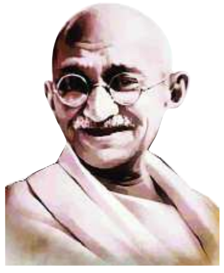

राष्ट्रपिता को नमन...

महानगर का भ्रम, सुरक्षा का शून्य : इंदौर में कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में

अक्षय की बात अपनों के साथ

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर को अक्सर 'मिनी मुंबई' कहा जाता है। साफ-सफाई में देशभर में नंबर वन रहने वाला यह शहर विकास की मिसाल जरूर बन गया है, लेकिन एक बुनियादी सवाल लगातार गूंज रहा है-क्या इंदौर अब भी सुरक्षित है?

सड़क पर निकलते ही असुरक्षा का अहसास, बढ़ती चोरी-लूट की घटनाएं, खुलेआम बदमाशों का आतंक और पुलिस की सुस्त कार्यशैली... यह तस्वीर किसी छोटे कस्बे की नहीं, बल्कि उस शहर की है जिसे आधुनिकता का प्रतीक बताया जाता है।

पुलिस की प्राथमिकताएं: जनता नहीं, वीआईपी?

आज इंदौर पुलिस की भूमिका पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वह आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए है या सिर्फ वीआईपी ड्यूटी और चालानी कार्रवाई के लिए?

जहां एक तरफ आम जनता छोटी-छोटी घटनाओं के लिए थाने के चक्कर काटती है, वहीं दूसरी ओर बड़े आयोजनों, नेताओं के दौरों और दिखावटी कार्रवाई में पुलिस की पूरी ताकत झोंक दी जाती है।

क्या यही है 'स्मार्ट सिटी' की स्मार्ट पुलिसिंग?

अपराधियों के हौसले बुलंद

शहर में अपराधियों के मन से कानून का डर लगभग खत्म होता दिख रहा है।

दिनदहाड़े लूट, महिलाओं के साथ छेड़छाड़, वाहन चोरी-ये अब खबर नहीं, दिनचर्या बन चुकी हैं।

कारण साफ है-अपराधियों को पता है कि कार्रवाई की गति धीमी है और पकड़ का डर कमजोर।

जनता की आवाज: सुरक्षा चाहिए, दिखावा नहीं

आम नागरिक आज पुलिस से केवल एक ही मांग कर रहा है— 'सुरक्षा'।

उसे ना तो आंकड़ों की बाजीगरी चाहिए, ना ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ी-बड़ी बातें।

उसे चाहिए कि जब वह रात को घर लौटे, तो उसे डर ना लगे।

उसकी बहन-बेटी सड़क पर सुरक्षित महसूस करे।

सिस्टम की खामियां या इच्छाशक्ति की कमी?

यह कहना आसान है कि संसाधन कम हैं या स्टाफ की कमी है।

लेकिन सवाल यह है कि जो संसाधन हैं, उनका उपयोग किस दिशा में हो रहा है?

अगर प्राथमिकता वीआईपी मूवमेंट और चालान वसूली होगी, तो अपराध नियंत्रण पीछे ही छूटेगा।

समाधान क्या है?

इंदौर को केवल स्मार्ट सिटी नहीं, सुरक्षित शहर भी बनाना होगा।

इसके लिए जरूरी है-

पुलिस की प्राथमिकता में आम जनता को सबसे ऊपर रखा जाए

बीट सिस्टम को मजबूत किया जाए, रात में गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए।

हर थाना जवाबदेही के दायरे में आए और सबसे जरूरी—पुलिस की कार्यशैली में संवेदनशीलता और सक्रियता दोनों दिखे

निष्कर्ष -चमक से ज्यादा जरूरी है सुरक्षा

इंदौर की पहचान सिर्फ साफ सड़कों और चमकती इमारतों से नहीं बनती, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की सुरक्षा से बनती है। अगर नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस करने लगें, तो विकास का पूरा मॉडल खोखला साबित होता है।

अब समय आ गया है कि इंदौर पुलिस अपनी प्राथमिकताओं को बदले—वरना 'महानगर' का तमगा सिर्फ एक दिखावा बनकर रह जाएगा।

भाजपा की हाईटेक कार्यशाला : जुटेंगे दिग्गज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर एक बार फिर बड़े सियासी जमावड़े का केंद्र बनने जा रही है। भाजपा के 'दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान' के तहत आज से डेली कॉलेज में क्षेत्रीय कार्यशाला का आगाज होगा।

इस खास प्रशिक्षण वर्ग में मध्य प्रदेश समेत छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, दादर एवं नगर हवेली, नवी मुंबई और अंडमान निकोबार के लगभग 3 से 4 हजार चयनित वक्ता शामिल होंगे, जिन्हें जिला स्तर पर होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए तैयार किया जाएगा। कार्यशाला स्थल पर मोबाइल और निजी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। मंगलवार सुबह से ही इंदौर में मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के अनुसार नर्मदा एक्सप्रेस और वंदे भारत जैसी ट्रेनों के अलावा हवाई मार्ग से भी बड़ी संख्या में नेता इंदौर पहुंच रहे हैं।

रेलवे स्टेशन पर तीन और एयरपोर्ट पर एक स्वागत काउंटर बनाया गया है, जहां आने वाले अतिथियों को एक विशेष किट दी जा रही है जिसमें दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री शामिल है। डेली कॉलेज में होने वाले इस आयोजन के लिए सुरक्षा और अनुशासन के कड़े मानक तय किए गए हैं। पार्टी के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी प्रशिक्षु या व्यवस्था में लगा कार्यकर्ता कार्यशाला के भीतर मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेगा। यहां तक कि मंत्रियों और अतिथियों की कारों को भी परिसर के बाहर ही खड़ा करना होगा।

मुख्य द्वार से आयोजन स्थल तक ले जाने के लिए बग्घियों की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे मेहमानों को सभा स्थल तक छोड़ा जाएगा। मंत्रियों के सुरक्षा गार्ड्स को भी बाहर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। बिना आधिकारिक प्रवेश पत्र के किसी भी व्यक्ति को अंदर प्रवेश नहीं मिलेगा। अतिथियों के सत्कार में इंदौर की प्रसिद्ध मेहमाननवाजी का पूरा ध्यान रखा गया है। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर उन्हें आने वाले मेहमानों के साथ शालीन व्यवहार करने की हिदायत दी है। पूरे शहर को भाजपा के झंडों और होर्डिंग्स से पाट दिया गया है, विशेषकर एयरपोर्ट से डेली कॉलेज और रिंग रोड तक के मार्ग को भव्य रूप से सजाया गया है। मेहमानों के लिए खान-पान की भी खास व्यवस्था है, जिसमें इंदौरी पोहा-जलेबी और कचौरी के नाश्ते के साथ केसर स्लाइस और मोती पाक जैसी मिठाइयां परोसी जाएंगी। इंदौर से कृष्णमुरारी मोघे, गौरव रणदिवे और डॉ. दिव्या गुप्ता जैसे वरिष्ठ नेता इस वर्ग में शामिल होंगे, जबकि कैलाश विजयवर्गीय और रणदिवे विशेष सत्रों को संबोधित कर सकते हैं।

6 राज्यों के 350 से अधिक कार्यकर्ता होंगे शामिल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाभियान के अंतर्गत मंडलों के प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हो चुके हैं। अब जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे, जिला प्रशिक्षण वर्ग हेतु विषय वक्ताओं को इस पश्चिम मध्य क्षेत्र की कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला में 6 राज्यों के 350 से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।

6 टेबलो पर होगा पंजीयन, मोबाइल भी होगा जमा

विषय वक्ता कार्यशाला में आने वाले अतिथि कार्यकर्ताओं का 6 टेबलो पर पंजीयन होगा। मप्र और महाराष्ट्र की 2 टेबल रहेगी, गोवा, दमन-दीव और दादरा - नगर हवेली और छत्तीसगढ़ की 1 -1 टेबल पर रजिस्ट्रेशन होगा। क्यू आर कोड से कार्यकर्ताओं का पंजीयन होगा। विशेष अतिथियों के लिए भी अलग पंजीयन टेबल रहेगी।

दिखेगी इंदौर की संस्कृति की झलक

मुख्य सभागृह के बाहर लगी देवी अहिल्या बाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ कार्यशाला की शुरूवात होगी। उसी गार्डन में इंदौर की संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए एतिहासिक स्थल राजवाड़ा, गांधी हॉल, इंदौर की छत्रियों और महेश्वर के किले की प्रतिकृति बनाई गई है। इन प्रतिकृतियों पर कार्यकर्ता सैल्फी पॉइंट के रूप में उपयोग कर सकेंगे।

उफ... ये गर्मी...

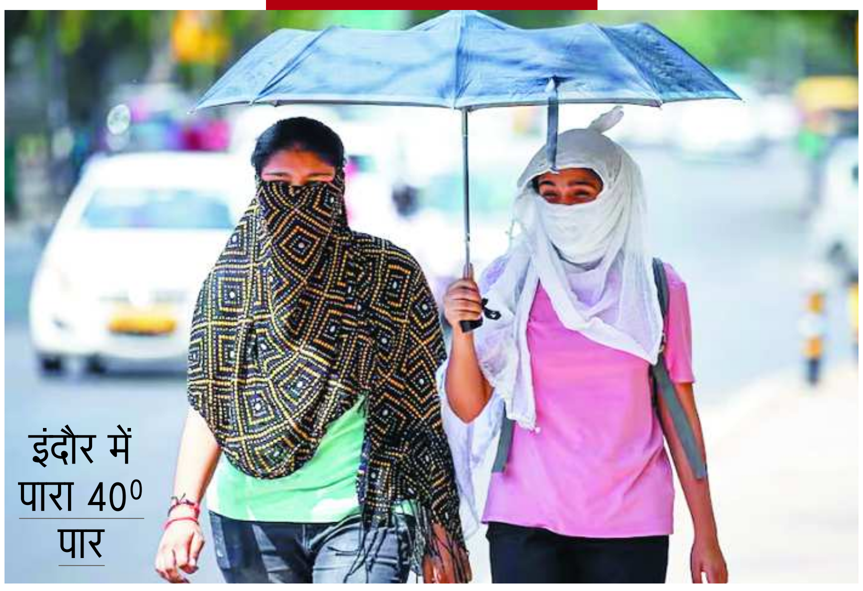

पाक की अपील पर ट्रंप ने एकतरफा सीजफायर बढ़ाया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी(एजेंसी) • अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके।

ट्रम्प ने कहा कि इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी।

उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती, चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले।

पप्पू यादव का महिलाओं पर शर्मनाक बयान

नेताओं के बेड से शुरू होता है करियर

नई दिल्ली (एजेंसी) • बिहार के बाहुबली नेता और पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव हालिया बयान के कारण बड़ी मुश्किल में फंस चुके हैं। राजनीति में महिलाओं की भूमिका को लेकर पप्पू यादव ने विवादित बयान दिया है। केंद्र सरकार के महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) पर बोलते हुए पप्पू यादव ने विवादित बयान दिया है। पप्पू यादव ने कहा 'कड़वी सच्चाई यह है कि 90% महिलाओं का राजनीतिक करियर नेताओं के बिस्तरों से शुरू होता है। महिलाएं किसी प्रभावशाली नेता के रूम में गए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं।' आइए जानते हैं महिला नेताओं के बारे में इतना भद्दा बयान देने वाले पप्पू यादव की पत्नी कौन हैं और क्या करती हैं। कौन-कौन परिवार में है? पप्पू यादव के इस आपत्तिजनक बयान पर निर्दलीय सांसद की जमकर आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने बाहुबली सांसद पप्पू यादव के इस आपत्तिजनक बयान को स्वत: संज्ञान में लेते हुए नोटिस भेजा है। जिसमें महिला आयोग ने सख्त लहजे में कहा, पप्पू यादव का यह बयान महिलाओं के आत्मसम्मान एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। 'आयोग ने पूछा आपके द्वारा इस तरह की घृणित बयान क्यों दिया गया? आपके खिलाफ लोकसभा की सदस्यता रद्द करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से अनुशंसा की जाए?'

वंदे मातरम विवाद पर डेमेज कंट्रोल, नहीं देगा कोई बयान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • वंदेमातरम विवाद को लेकर कांग्रेस ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश तेज कर दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को देवास में एक अहम बैठक बुलाई गई, जिसमें इंदौर के शहर कांग्रेस अध्यक्ष और विवाद में घिरीं दोनों महिला पार्षदों सहित छह मुस्लिम पार्षदों को तलब किया गया। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि कोई भी नेता या पार्षद सार्वजनिक रूप से बयानबाजी न करे और पार्टी लाइन का पालन करे। दरअसल, इंदौर नगर निगम के बजट सम्मेलन (8 अप्रैल) के दौरान पार्षद फौजिया शेख अलीम और रूबीना इकबाल खान द्वारा वंदेमातरम गाने से इनकार करने के बाद विवाद शुरू हुआ था। इसके बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिटू चौकसे ने उनके निष्कासन की बात कही, वहीं प्रवक्ता केके मिश्रा के बयान ने विवाद को और हवा दे दी। दूसरी ओर कुछ वरिष्ठ नेताओं ने पार्षदों का समर्थन किया, जिससे पार्टी दो खेमों में बंटी नजर आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान ने रिपोर्ट तलब की और विवाद शांत कराने के निर्देश दिए। देवास में हुई बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, इंदौर प्रभारी उषा नायडू और राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त ने नेताओं से चर्चा की। सभी को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे इंटरनेट मीडिया पर भी इस मुद्दे पर कोई पोस्ट न करें और अपनी बात पार्टी मंच पर ही रखें। फिलहाल किसी भी पार्षद या नेता पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अब पूरे मामले को शांत करने और आंतरिक समन्वय बनाने में जुट गई है। इस घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट भी दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय को भेजी जा रही है। इधर, कांग्रेस के कुछ पार्षदों की नाराजगी भी सामने आई है। अंसाफ अंसारी, रफीक खान, सादिक खान और अनवर दस्तक जैसे पार्षद निगम सम्मेलन से दूरी बनाए हुए हैं। उनका आरोप है कि संगठनात्मक नियुक्तियों में उनके सुझाए नामों को नजरअंदाज किया गया।

फिजूल खर्ची पर रोक | **प्रदेश के बड़े-बड़े शहरों में गत एक वर्ष के दौरान करोड़ों रुपए के स्वागत द्वार बनें**

अब नहीं बनेंगे शहरों में स्वागत द्वार, बना तो अधिकारी होंगे निलंबित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र सरकार ने नगर निगम और नगरीय निकायों को आदेश दिया है कि अब वे शहरों में स्वागत द्वार नहीं बनाएंगे। शासन ने यह कदम फिजूलखर्ची रोकने और निकायों की आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से उठाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने साफ कहा है कि यदि कोई निकाय स्वागत द्वार बनाता है, तो संबंधित अधिकारी को सस्पेंड कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि भोपाल सहित कई शहरों में स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं। भोपाल में फंदा के पास सिक्स लेन सडक़ पर पांच करोड़ की लागत से 30 मीटर चौड़ा सम्राट विक्रमादित्य द्वार बनाया जा रहा है। उज्जैन की साईधाम कालोनी, राजेंद्र नगर, केशव नगर आदि 35 स्थानों पर 6.28 लाख रुपये से स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं। शाजापुर शहर में नगर पालिका द्वारा उज्जैन के महामृत्युंजय द्वार की तर्ज पर 2.90 करोड़ रुपये से एक भव्य स्वागत द्वार का निर्माण किया जा रहा है। खरगोन जिले के महेश्वर में मंडलेश्वर मार्ग पर नगर से एक किमी दूर पर विशाल अहिल्या स्वागत द्वार बनाया गया है। नगर पालिका स्तर के प्रोजेक्ट्स में मप्र के विभिन्न जिलों जैसे देवास और विदिशा में भी स्थानीय निकायों द्वारा 10 लाख से 20 लाख की लागत वाले छोटे स्वागत द्वारों के टेंडर जारी किए गए हैं।

आर्थिक स्थिति सुधारने की चुनौती

प्रदेश के नगर निगम और निकाय वर्तमान में वित्तीय दबाव का सामना कर रहे हैं। ऐसे में गैर-जरूरी निर्माण कार्य, जैसे स्वागत द्वार बनाना, नगरीय विकास के प्राथमिक लक्ष्यों के विपरीत माना गया है। सरकार का उद्देश्य है कि सार्वजनिक धन का उपयोग सीधे नागरिकों के लाभ और बुनियादी सेवाओं के सुधार में हो।दरअसल, प्रदेश के नगर निगमों व निकायों की माली हालत ठीक नहीं है। इससे उबरने के बजाय निकाय ऐसे निर्माण कार्य कर रहे हैं, जिनसे कोई आय नहीं होती है। इनमें स्वागत द्वार को फिजूलखर्ची का कार्य बताया गया है। अपर मुख्य सचिव ने निकायों को स्वागत् द्वार बनाने के बजाय बुनियादी सुविधाओं, जैसे- सडक़ों, नालियों और शुद्ध पेयजल आपूर्ति जैसी नागरिक सुविधाओं के विकास पर खर्च करने का निर्देश दिया है। हालांकि यह बात अलग है कि जनप्रतिनिधियों और नेताओं का जोर महापुरुषों के नाम पर स्वागत द्वार बनाए जाने पर रहता है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की घोषणा है कि महापुरुषों के नाम पर शहरों के प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

सदन में महिला आरक्षण नहीं, मोदी संरक्षण बिल गिरा है' - शिल्पी अरोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रेस क्लब, इंदौर में आयोजित प्रेस वार्ता मे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती शिल्पी अरोड़ा, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया, हिमानी सिंह, पार्षद सोनिला मीमरोट द्वारा केंद्र सरकार और भाजपा की नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए महिलाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को विस्तार से रखा। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती शिल्पी अरोड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं को गुमराह किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही पूर्ण बहुमत से पारित हो चुका था, लेकिन सरकार ने इसे लागू करने के बजाय 16 अप्रैल 2026 को अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार नोटिफाई किया। उन्होंने कहा कि यह 'महिला आरक्षण' नहीं बल्कि 'मोदी संरक्षण बिल' साबित हो रहा है।

इंदौर में सिविल सेवा दिवस गरिमामय रूप से मनाया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में आज सिविल सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने सिविल सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवाएं शासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

मिशन परिवार विकास पखवाड़े के अन्तर्गत गतिविधियां आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ इंदौर जिले में भी मिशन परिवार विकास पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। परिवार कल्याण कार्यकम के अन्तर्गत प्रदेश में परिवार नियोजन कि सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं स्वीकार्यता बढाने हेतु प्रति वर्ष अप्रैल माह में मिशन परिवार विकास पखवाड़ बनाया जाता है ताकि जन सामुदाय में परिवार नियोजन मे स्थाई एवं अस्थाई साधनों के संबंध मे जागरूकता लाई जा सके।

नहीं होगा ट्रैफिक का कबाड़ा, नियम कायदे से तय इलाके में ही चलाए जाएंगे

इंदौर शहर की सड़कों पर नया सिस्टम, नीला-पीला-लाल और सफेद रंगों में बंटे ई-रिक्शा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में ई-रिक्शा के कारण ट्रैफिक बिगडने की शिकायतें कई दिनों से आ रही थी। कई इलाकों में ई-रिक्शा की भरमार है, शहर के किसी भी इलाके में अब निर्धारित ई-रिक्शा ही चलेंगे। इसके लिए इन्हें जोन वाइस रंग दे दिए गए हैं। ट्रैफिक सुधार के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रैफिक का कबाड़ा करने वाले ई. रिक्शा के सुव्यवस्थित संचालन हेतु मंगलवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति में ई. रिक्शा संचालन की कलर कोडिंग सेक्टर व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह एवं पुलिस उपायुक्त प्रभारी यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी व यातायात के अधिकारीगण व बैटरी ई. रिक्शा संघ के अध्यक्ष राजेश बिडकर तथा ई. रिक्शा प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। ई. रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं नियंत्रित करने के उद्देश्य से कई व्यवस्थाओं पर कार्य किया जा रहा है।

शहर का जोनवार विभाजन-ई. रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने हेतु शहर को

संबंधित यातायात के 4 जोन के आधार पर 4 सेक्टरो में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन के ई-रिक्शाओं का रंग अलग अलग निर्धारित किया गया है जिससे उनकी पहचान आसानी से हो सके।

नियमों का पालन करें-जोन 1. नीला, जोन 2. पीला, जोन 3. लाल और जोन 4 सफेद रंग रहेगा। ई. रिक्शाओं को जोन-सेक्टर का आवंटन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक ई रिक्शा हैं तो उसके सभी ई रिक्शाओं को अलग.अलग जोन में आवंटित किया जाएगा जिससे किसी एक क्षेत्र में अत्यधिक दबाव न बने। ई-रिक्शा पंजीयन के लिए एक निर्धारित प्रोफार्मा उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके अनुसार सभी आवेदकों को आवश्यक जानकारी भरकर पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। अभी तक 6 हजार से अधिक ई रिक्शा चालकों के सेक्टर रजिस्ट्रेशन पूर्ण किये जा चुके है। उपरोक्त व्यवस्थाओं का उद्देश्य शहर में ई रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाना है जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। यातायात पुलिस ने सभी ईरिक्शा चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें तथा शहर में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

रातभर दमकलें बुझाती रही आग, रेलवे-डिफेंस सप्लायर कंपनियों की यूनिट भी जलकर खाक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर से 40 किलोमीटर दूर पीथमपुर के सेक्टर तीन स्थित हजारगो कंपनी में लगी आग ने आसपास की दूसरी कंपनियों की यूनिटों को भी अपनी चपेट में ले लिया। रातभर दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रहीं, लेकिन सुबह तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। जिस कंपनी में आग लगी, वह वेस्ट मैनेजमेंट और केमिकल कचरे के निपटान का काम करती है। आग को फैलते देर नहीं लगी और केमिकल से भरे ड्रमों में धमाके होने लगे। उस समय फैक्टरी में दस मजदूर काम कर रहे थे, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया गया।इस आग ने पास की रेलवे और डिफेंस सप्लायर कंपनियों के शेड को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग के कारण करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। आग बुझाने के लिए धार, इंदौर सहित आसपास के इलाकों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन सुबह पांच बजे तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था। आग की लपटें और धुएं के काले बादल एक किलोमीटर दूर से नजर आ रहे थे।

भोपाल में लागू हो चुकी है व्यवस्था

मेट्रो स्टेशन के 50 मीटर दायरे में निर्माण कार्य पर सख्ती

इंदौर में भी जल्द लागू करने की तैयारी...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में भी एनओसी जल्द लागू करने की तैयारी में मेट्रो जुट गया है। मेट्रो स्टेशन के 50 मीटर दायरे में निर्माण पर सख्ती, एनओसी अनिवार्य करने की तैयारी चल रहीं है। यह भोपाल में लागू हो चुकी है जल्द ही इंदौर में भी लागू होगी। अधिकारी के मुताबिक शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट के विस्तार के साथ ही अब उसके आसपास के इलाकों में निर्माण गतिविधियों पर सख्ती बढने जा रही है। प्रस्ताव है कि अंडरगाउंड मेट्रो स्टेशनों के 50 मीटर में किसी भी तरह का निर्माण तोडफोड करने से पहले मेट्रो प्रबंधन से अनापत्ति प्रमाण

पत्र (एनओसी) लेना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भोपाल में लागू हो चुकी है और अब इंदौर में भी जल्द लागू करने की तैयारी है। स्टेशनों पर काम चल रहा है। जैसे ही टनल थोरिंग मशीन (टीवीएम) का काम तेज होगी वैसे ही नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य मेट्रो संरचना की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आस-पास होने वाले निर्माण से किसी भी संभावित खतरे को रोकना है। नए नियमों के तहत 50 मीटर के दायरे में आने वाले सभी निजी और व्यवसायिक निर्माण कार्यों के लिए पहले विस्तृत डिजाइन के साथ आवेदन करना होगा।

लोकायुक्त में पीडब्ल्यूडी एसडीओ, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, सब इंजीनियर रिश्वत में धराए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर लोकायुक्त की कार्रवाई से मंगलवार 21 अप्रैल को पीडब्ल्यूडी विभाग में हड़कंप मच गया। एक साथ तीन भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हुई है। रिश्वत मांगने में एक्जीक्यूटिव इंजीनियर पीडब्ल्यूडी संभाग क्रमांक 1 इंदौर के जयदेव गौतम, अनुविभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 1 इंदौर टीके जैन और यहीं के सब इंजीनियर अशु दुबे धरे गए।

इसमें आरोपी जयदेव गौतम के पास रिश्वत की 1.50 लाख की राशि और आरोपी टीके जैन के पास एक लाख की राशि जब्त की गई। इस तरह कुल ढाई लाख की रिश्वत राशि जब्त हुई है। सब इंजीनियर दुबे ने एक लाख मांगे थे, लेकिन राशि कम होने से इसे नहीं ली। पीथमपुर धार के निवासी राजपाल सिंह पंवार संचालक पटेल श्री इंटरप्राइजेस शासकीय ठेकेदार है। इनकी फर्म ने मैथवाड़ा-फोरलेन पहुंच मार्ग का चार करोड़ 73 लाख 35 हजार का काम लिया था। यह काम चार करोड़ 51 लाख में कर दिया गया। इसके बिल के भुगतान की एवेज में गौतम ने डेढ़ लाख, जैन ने एक लाख और अंशु दबे ने भी एक लाख इस तरह कुल साढ़े तीन लाख की रिश्वत मांगी थी। एसपी राजेश सहाय को इसकी शिकायत हुई और इसकी जांच कराई गई। इसके बाद ट्रैप दल बनाया गया। गौतम को उसके शासकीय निवास पर डेढ़ लाख और जैन को पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पोर्च के नीचे एक लाख लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

सौर ऊर्जा के वक्त बिजली खपत से शहर के उपभोक्ताओं को मिली 6 करोड की छूट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्मार्ट मीटर के कारण शहर के बिजली उपभोक्ताओं की समय विशेष में बिजली खपत के आंकड़े संकलित किए जा रहे है। शासन के आदेश पर सौर ऊर्जा अवधि सुबह 9 से शाम 5 में बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में बीस प्रतिशत की छूट दी जा रही है, यह छूट प्रति उपभोक्ता 40 से 100 रूपए तक प्राप्त हो रही है। पिछले एक माह में शहर के पांच लाख पैंसठ हजार उपभोक्ताओं को छः करोड़ छः लाख रूपए की टाईम ऑफ द डे यानि टीओडी छूट प्रदान की गई है। इसी तरह इंदौर ग्रामीण वृत्त अंतर्गत 58 हजार उपभोक्ताओं को 1.15 करोड़ की, उज्जैन जिले के 1.20

लाख उपभोक्ताओं 1.25 करोड़ की, रतलाम जिले के एक लाख सात हजार उपभोक्ताओं को 98 लाख की, देवास जिले के 71200 उपभोक्ताओं को 63 लाख की छूट दी गई है। इसी तरह की छूट अन्य जिले, सर्कल के उपभोक्ताओ को भी मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नियमानुसार पात्रतानुसार प्रदान की जा रही है। कंपनी क्षेत्र में स्मार्ट मीटरीकृत 13 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को इस तरह की रियायत प्रतिमाह दी जा रही है, यह कुल राशि करीब चौदह करोड़ रूपए हैं।

समाधान य़ोजना में प्रत्येक पात्र को जोड़े-मध्य्प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर मुख्य अभियंता वाणिज्य श्रीमती सुषमा गंगराड़े, अधीक्षण अभियंता श्री अंतिम जैन ने समाधान योजना क्रियान्वयन की समीक्षा कर सभी 15 अधीक्षण यंत्रियों से वर्चुअल चर्चा की। इस दौरान मैदानी अधिकारियों से कहा गया कि योजना में करीब तीन सप्ताह ही शेष हैं, ऐसे में तीन माह के बकाया बिल वाले प्रत्येक पात्र उपभोक्ता तक पहुंचकर समाधान योजना का लाभ दिलाया जाए, छूट प्रदान कर शेष राशि कंपनी के राजस्व रूप में अनिवार्य रूप से संग्रहित की जाए। इस दौरान कृषि क्षेत्र, घरेलू क्षेत्र, गैर घरेलू, औद्योगिक सभी बकायादारों से बिल राशि समय पर वसूलने के निर्देश दिए गए।

नदी उद्गम स्थल जल ग्रहण क्षेत्र का सरंक्षण कर नदी को सदनीरा बनाएं - नागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज इंदौर जिले के उज्जैनी ग्राम में माँ क्षिप्रा के उद्गम स्थल और नर्मदा क्षिप्रा संगम पर परिषद के उपाध्यक्ष महोदय ने की उद्गम कुंड और मंदिर में पूजा-अर्चना की व मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित जल चौपाल कार्यक्रम में नवांकुर, प्रस्फुटन संस्थाओं के सदस्यों व ग्रामीणों से नदी व जल संरक्षण पर संवाद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहन नागर उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा नदी उद्गम स्थल जल ग्रहण क्षेत्र को संरक्षित कर नदी को सदानीरा बनाए रखा जा सकता है। इस हेतु वहाँ पौधारोपण व वर्षाजल संरक्षण के कार्य आवश्यक है। प्रधानमंत्री की पहल और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान ने एक जन आंदोलन का स्वरूप ले लिया है।

कैम्ब्रिज स्कूल ने फिर लहराया परचम, 100 प्रतिशत का रिकार्ड कायम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के नगीन नगर स्थित कैम्ब्रिज स्कूल ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षाओं में सफलता का परचम लहराया है। स्कूल ने 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर अपनी गुणवत्ता और अनुशासन को साबित किया है।

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया। आरुषि मनीष अग्रवाल ने 83.8% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं वैष्णव गोपाल चौहान (83%), नवाज़ नवाब क़ुरैशी (82.6%) और हर्षिता महेश देपाले (79%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा वंशिका जीतेन्द्र गोयल, कनक मनोज रघुवंशी, सुरभि मनोज जैन, मो. ज़ैद ज़हीर खान, ऋषिका रितेश जैन और शुभम् भागीरथ खेड़े ने भी शानदार अंक प्राप्त कर स्कूल का मान बढ़ाया।

वहीं कक्षा 10वीं के परिणाम भी बेहद उत्साहजनक रहे। समरा साजिद राइन ने 88.2% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। आदर्श राकेश मालवीय, हिमांशु ओमप्रकाश गुर्जर, अवंतिका हरदेव जयसवाल और आयुषी अशोक जाधव ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कूल की प्रतिष्ठा को और ऊंचाई दी।

इन उपलब्धियों के साथ-साथ कई छात्रों ने विभिन्न विषयों में 'विशिष्टता' हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

स्कूल के प्राचार्य ने इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि स्कूल भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता और अनुशासन को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कक्षा 12वीं के सितारें

आरुषि मनीष अग्रवाल 83.8%

छात्र वैष्णव गोपाल चौहान 83%

नवाज़ नवाब क़ुरैशी 82.6%

हर्षिता महेश देपाले 79%

वंशिका जीतेन्द्र गोयल 77.4%

कनक मनोज रघुवंशी 75.4%

सुरभि मनोज जैन 74.6%

मो. ज़ैद ज़हीर खान 74.2%

ऋषिका रितेश जैन 73.4%

कक्षा 10वीं के गौरव

समरा साजिद राइन ने 88.2%

आदर्श राकेश मालवीय 75.2%

हिमांशु ओमप्रकाश गुर्जर 73.6%

अवंतिका हरदेव जयसवाल 73.4%

आयुषी अशोक जाधव 73%

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 22 अप्रैल 2026

न्यूज़ ब्रीफ

अखंड परमधाम गौशाला पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निर्माण कार्य शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • खंडवा रोड स्थित अखंड परम धाम आश्रम पर संचालित युगपुरुष स्वामी परमानंद गौशाला पर जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जय गोपाल-जय गौशाला उद्घोष के साथ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में गौभक्तों ने गौपूजन भी किया और सत्संग भवन से जुलूस निकालकर पूजा अर्चना भी की। साध्वी आदित्य चेतना गिरी के सानिध्य में निर्माण समिति के संरक्षक किशनलाल पाहवा, अध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मांगीलाल कांसट, समाजसेवी हरि अग्रवाल (अखंड धाम), अशोक गोयल, उपाध्यक्ष रुशिभाई, संगठन मंत्री राजेश अग्रवाल, विष्णु कटारिया, विजय शादीजा, श्रीमती गुप्ता सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं कई दानदाता भी इस अवसर पर पूजा अर्चना में शामिल हुए।

जयस का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के ओंकारेश्वर क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिल्लोरा के बाघनगर में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर रविवार को विवाद खड़ा हो गया। एक गरीब आदिवासी विधवा महिला की जमीन पर कार्रवाई के विरोध में जयस संगठन ने अनिश्चित कालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। ओंकारेश्वर से करीब 8 किलोमीटर दूर बाघनगर में प्रशासन ने गौशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की। इस दौरान करीब 40 वर्षों से काबिज आदिवासी परिवार की जमीन पर खड़ी मूंग की फसल पर जेसीबी चला दी गई। कार्रवाई के दौरान पीड़ित महिला ने विरोध जताते हुए जेसीबी के सामने लेटकर विरोध किया।

27 अप्रैल को मप्र विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र, 'नारी शक्ति वंदन बिल' पर होगी चर्चा

भोपाल (एजेंसी) • लोकसभा में नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद से भाजपा लगातार विपक्ष पर हमलावर है। इस बिल का समर्थन और विपक्ष का विरोध करने के लिए अब भाजपा सड़क पर उतरी आई है और विपक्ष पर महिलाओं के अपमान का आरोप लगा रही है। अब इसी क्रम में मध्य प्रदेश में सोमवार, 27 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। इस सत्र में नारी शक्ति वंदन बिल को लेकर चर्चा की जाएगी। विधानसभा सचिवालय ने आदेश जारी कर दिया है। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसमें सभी सदस्यों को उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस विशेष सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच बहस और जोरदार हंगामे होने के आसार हैं। बता दें कि विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए जाने की जानकारी रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी थी। इस संबंध में उन्होंने कहा था कि महिलाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर विधानसभा में विस्तृत चर्चा की जाएगी। डॉ. मोहन यादव ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कहा कि लोकतंत्र एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है और संसद में जो घटनाक्रम हुआ, वह बेहद निंदनीय और कष्टकारी है। गौरतलब है कि सोमवार को भोपाल में भाजपा की ओर से नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में आक्रोश रैली निकाली गई थी। जिसमें भाजपा नेताओं ने विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी कर कई गंभीर आरोप लगाए थे।

राजीव विकास केंद्र में संभागीय टीम का गठन 13 महिलाओं को मिला प्रतिनिधित्व

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राज्य के सामाजिक एवं विकासात्मक कार्यों को नई गति देने के उद्देश्य से इंदौर संभागीय राजीव विकास केंद्र में संगठनात्मक विस्तार किया गया है। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मप्र राजीव विकास केंद्र के संगठन के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव द्वारा इंदौर संभाग स्तर पर इंदौर संभागीय राजीव विकास केंद्र की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर 13 महिलाओं की नियुक्तियां की गई हैं। इस क्रम में इंदौर संभाग में एक संभागीय अध्यक्ष के साथ प्रवक्ताओं की टीम गठित की गई है। साथ ही पांच संभागीय महामंत्री, पांच संभागीय उपाध्यक्ष तथा दो प्रवक्ताओं की नियुक्ति कर संगठन को मजबूत संरचना प्रदान की गई है। जिसमें 1 इंदौर संभागीय अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा विश्वकर्मा 2 इंदौर संभागीय प्रवक्ता जेबा अब्दुल रऊफ कुमारी नेहा लिम्बोदिया 5 इंदौर संभागीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सक्सेना मीनाक्षी जायसवाल नीलम श्रीवास्तव श्रीमती सीमा यादव श्रीमती शीतल क्षंवर 5 इंदौर संभागीय महामंत्री श्रीमती मंजुला सोनी श्रीमती पूजा वर्मा निशा चतुर्वेदी श्रीमती समिता यादव श्रीमती ममता जरिना शेक आदि को नियुक्त किया गया हैं।

वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को ज्ञापन सौंपे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र-छग संयुक्त राज्य पेन्शनर फेडरेशन के आह्वान एवं वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष राजकुमार दुबे के निर्देश पर प्रदेश भर में अपनी मांगों के समर्थन में प्रदेशव्यापी रैली, प्रदर्शन किए गए इंदौर जिला शाखा द्वारा भी रैली निकाली गई जो गांधी हाल से कमिश्नर कार्यालय तक थी। वहां राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कमिश्नर के माध्यम से दिया गया। इसके बाद सभी पेन्शनर कलेक्टर आफिस पहुंचे। वहां भी उन्होंने मुख्यमन्त्री एवं राज्यपाल के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे को दिया। ज्ञापन का वाचन डॉ माया यादव एवं भगवती प्रसाद पंडित ने किया। एसोसिएशन के आर के शुक्ला, राजेश जोशी, भगवती पंडित, देवीसिंह बारूपाल, नरेन्द्रसिंह ठाकुर, जगन्नाथ अहिरे, जयश्री महोदय, अल्पना नेगी, प्रतिभा मिश्रा, मीरा दीक्षित, दीपक धनोडकर, ताराचंद व्यास, दीपक हलवे, श्रीकांत इंगले एवं अन्य सैकड़ों साथी इस आंदोलन के दौरान उपस्थित थे।

चौथी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 इंदौर में 3 जुलाई से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को एक और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा आयोजन की मेजबानी मिलने जा रही है। शहर में चौथी ब्रोंकोपुलमोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 का आयोजन 3 से 5 जुलाई तक किया जाएगा। इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस की शुरुआत 3 जुलाई को प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप से होगी, जिसमें फेफड़ों की बीमारियों, टीबी नियंत्रण, क्रिटिकल केयर और पल्मोनरी मेडिसिन से जुड़े नवीनतम विषयों पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। आयोजन का मुख्य सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में होगा। बी डब्ल्यू सी 4 के ऑर्गेनाईज़िंग सेक्रेटरी प्रो. डॉ. रवि डोसी ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस में देश और विदेश के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर हम चिकित्सा क्षेत्र में नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप विशेष रूप से युवा डॉक्टरों और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। डॉ. रवि डोसी ने आगे बताया कि टीबी और श्वसन रोग आज भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं। ऐसे समय में वैज्ञानिक ज्ञान, नई तकनीक और बेहतर उपचार पद्धतियों का आदान प्रदान बेहद जरूरी है। यह आयोजन मरीजों तक बेहतर इलाज पहुंचाने में भी मदद करेगा।

इस बार कॉन्फ्रेंस का मुख्य आकर्षण प्री - कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप रहेंगी, जिसमें कुल 11 विशेष वर्कशॉप होंगी। इनमें इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी की 5 एडवांस्ड वर्कशॉप्स के साथ पीएफटी, सीवियर अस्थमा, टीबी, पल्मोनरी रिसर्च और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन जैसे विषय शामिल रहेंगे।

आदिगुरु शंकराचार्य की जन्म जयंती पर सैकड़ों युवाओं ने की समरसता महाआरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आदिगुरु शंकराचार्य जी की जन्म जयंती के पावन अवसर पर संस्था मालवा संस्कृति मंच द्वारा भव्य समरसता महाआरती का आयोजन किया। आयोजन में शहर की युवा पीढ़ी ने एकत्रित होकर सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और सनातन परंपरा के संरक्षण का संदेश दिया। संस्था अध्यक्ष कमलपुरी गोस्वामी, सुरेंद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि आदिगुरु शंकराचार्य जी की गौरवशाली दशनामी परंपरा और उनके जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस समरसता महाआरती का आयोजन किया, सैकड़ों युवाओं ने आदिगुरु शंकराचार्य की समरसता महाआरती की।

अतिथियों ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने भारतीय सनातन संस्कृति को नई दिशा देने का कार्य किया था। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। साथ ही बच्चों और युवाओं को शिक्षित एवं संस्कारित बनाकर ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। इस अवसर पर अविनेश हार्डिया, भावना मौर्य, श्रीमती अंजलि पाटीदार, कैलाश पेशवानी, मनीष ओझा, मधु तलवार,शुभम हार्डिया, चेतन हार्डिया, चेतन पवार, भूपेश व्यास, रुपेश मालवीय, अमन ओझा, अशोक वानखेड़े, ललिता जोशी,तपन करोसिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनवरी में सेवानिवृत्त हुई शिक्षिका को नहीं हुआ अर्जित अवकाश का भुगतान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सेवानिवृत्ति के बाद अर्जित अवकाश का भुगतान करने में देरी का एक ओर मामला सामने आया है। 4 माह पहले जनवरी में सेवानिवृत्त हुई शिक्षिका अधिकारियों के चक्कर लगाते हुए भी अब हार गई। स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद विभाग ने भुगतान लटका रखा है। परेशान होकर पीड़ित सेवानिवृत्त शिक्षिका सुनीता राठौर ने अब कलेक्टर को भी इसकी शिकायत कर दी है। इसमें उन्होंने बताया हैं कि वे शासकीय उमावि लेकोड़ा से सेवानिवृत्त हुई है। उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर रहते हुए साल 2011 से 2014 तक जन शिक्षक के रूप में कार्य करने के लिए उन्हें अर्जित अवकाश भी स्वीकृत हुए। अब तक मुझे अर्जित अवकाश की राशि नहीं मिली। राठौर ने बताया कि पेंशन भी मात्र 4950 रुपए मिलती है। इस कारण आर्थिक परेशानी झेलना पड़ रही है। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक दुबे ने बताया कि वरिष्ठों को कई बार अवगत कराने के बाद भी शिक्षा विभाग में यह समस्या खत्म नहीं हुई।

लाल परी थीम पर सज-धजकर आई 'लव यू जिन्दगी' कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की सखियाँ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • लाल परी की थीम पर सज-धजकर आई महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की करीब 150 सखियों ने प्रकोष्ठ के 'लव यू जिन्दगी' कार्यक्रम में मंगलवार को बहुत संजीदगी और बेबाकी से अपने परिचय दिए और अनूठे अंदाज में डीजे और तम्बोला की मस्ती का लुत्फ़ उठाया। प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रतिभा मित्तल ने बताया कि लव यू जिन्दगी का यह सातवाँ सत्र था जिसमें उन सखियों को आमंत्रित किया गया था जो प्रकोष्ठ से हाल ही में जुडी हैं। इन सखियों में लगभग सभी उच्च शिक्षित और विभिन्न सेवा प्रकल्पों से जुडी सखियाँ हैं जिन्होंने मंगलवार को सयाजी होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में लाल परी की थीम पर सज-धजकर स्वयं को अन्य सखियों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अनूठे आयोजन में प्रकोष्ठ की मोनिका, तिलोत्तमा, मीना और वैशाली ने भी कार्यक्रम की रुपरेखा बनाने में सहयोग किया जिसके फलस्वरूप यह कार्यक्रम काफी मनोरंजक, संजीदा और दिलचस्प बन सका।

प्रेस्टीज इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में रवि किशन को 'लीगेसी ऑफ सिनेमा एक्सीलेंस अवार्ड'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रेस्टीज इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन सिनेमा, प्रेरणा और व्यक्तित्व विकास का अद्भुत संगम देखने को मिला। मशहूर भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार रवि किशन को पीआईएमआर डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. डेविश जैन द्वारा सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'लीगेसी ऑफ सिनेमा एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर फिल्म अभिनेत्री अलका अमीन को 'वर्सेटाइल करेक्टर आइकन अवार्ड', फिल्म मेकर बरनाली रे शुक्ला को 'क्रिएटिव विजनरी अवार्ड' तथा इंटर 10 नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक मनीष सिंघल को 'एक्सीलेंस इन फिल्म लीडरशिप अवार्ड' प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान रवि किशन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें केवल पढ़ाई तक सीमित न रहकर स्किल डेवलपमेंट और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से नौकरी के पीछे भागने के बजाय अपना स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने, लोगों से संवाद बनाए रखने और सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से दूर रहने की सलाह दी।

अपने जीवन संघर्ष को साझा करते हुए उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, 'मैंने अपने सपनों को देखना और उनका पीछा करना शुरू किया। आज जो भी हूं, वह भगवान शिव की कृपा से हूं—मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा।

469 करोड़ से संवरी नेपा मिल में उत्पादन शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • नेपानगर स्थित एशिया की पहली अखबारी कागज मिल 'नेपा लिमिटेड' में 469 करोड़ रुपए के आधुनिकीकरण के बाद सोमवार शाम से कागज का उत्पादन शुरू हो गया है। अक्षय तृतीया के अवसर पर मिल की मशीन नंबर 1 को चालू कर दिया गया है। मिल प्रबंधन के पास कागज उत्पादन के लिए पर्याप्त कच्चा माल उपलब्ध है और मशीन नंबर 2 को भी जल्द चालू करने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड की इस मशीन का एक महीने पहले सफल ट्रायल किया गया था। इस ट्रायल में लगभग 30 से 40 टन कागज का उत्पादन हुआ था। सफल ट्रायल के बाद पिछले महीने ही केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे ने नेपा लिमिटेड का दौरा किया था। मिल को पूरी तरह से संचालित करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। शुरुआत में इस मशीन को 15 अप्रैल से चालू करने की रणनीति थी, लेकिन इसे अब अक्षय तृतीया के अवसर पर शुरू किया गया है। सूत्रों के अनुसार, मिल के पास फिलहाल कागज उत्पादन के लिए पर्याप्त मात्रा में कच्चा माल मौजूद है। नेपा लिमिटेड एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी और पुरानी सरकारी कागज मिलों में से एक है। लगभग 75 वर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली नेपा लिमिटेड एशिया की पहली और भारत की सबसे पुरानी अखबारी कागज मिल है। 1947 में निजी क्षेत्र में शुरू हुई यह मिल अब एक सार्वजनिक उपक्रम है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

होर्मुज संकट और युद्ध की आग! अमेरिका-ईरान टकराव दुनिया को महंगाई और ऊर्जा संकट में धकेल देगा

पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद करीब एक पखवाड़े पहले बहुत मुश्किल से दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। फिर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की शुरुआत से यह उम्मीद जगी कि वे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने पर राजी हो जाएंगे। मगर आज युद्धविराम की अवधि पूरी होने के बाद भी जैसे हालात दिख रहे हैं, उसमें ईरान और अमेरिका के तेवर समाधान की संभावना के सामने एक बड़ी चुनौती हैं। दूसरी ओर, इस युद्ध के नतीजे में उपजी विकट और जटिल होती परिस्थितियों के बीच ये सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का हासिल क्या होगा और उसका खमियाजा दुनिया के कितने देशों को कब तक भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर होर्मुज जलमार्ग को बाधित किए जाने के बाद बहुत सारे देशों में जिस तरह प्राकृतिक गैस और तेल का जैसा संकट खड़ा हो गया है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह मांग उठने लगी है कि अमेरिका और ईरान का रुख चाहे जो हो, उन्हें वैश्विक हित में खुद को नरम करना चाहिए और किसी भी तरह से युद्ध खत्म हो। यह छिपा नहीं है कि इजराइल और अमेरिका के हमले की प्रतिक्रिया में ईरान ने जब होर्मुज जलमार्ग को रोक दिया, तब से भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और वहां का जनजीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ये देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसकी मार से पीड़ित हैं। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों में बीस फीसद से ज्यादा ऊर्जा की आपूर्ति होती है। मगर जब से इस मार्ग को बाधित किया गया है, लगभग सभी प्रभावित देशों में लोग न केवल रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के संकट का सामना कर रहे हैं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के सभी सामान के महंगे होने का दंश भी झेल रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही।

जिनके हाथों में आतंक की चिंगारी, वही अब शांति की मशाल लिए नाच रहे हैं!

पिछले कुछ वर्षों का वैश्विक परिदृश्य किसी जीवंत त्रासदी से कम नहीं रहा। दुनिया ने युद्धों को केवल इतिहास की पुस्तकों में नहीं, बल्कि 'लाइव प्रसारण' के रूप में देखा और उसके दंश को प्रत्यक्ष रूप से भोगा। विडंबना यह है कि जिन राष्ट्रों का इन संघर्षों से प्रत्यक्ष सरोकार नहीं था, वे भी महँगाई, ऊर्जा-संकट और पर्यावरणीय क्षति के रूप में इस वैश्विक 'युद्ध-कर' को चुकाने के लिए विवश हैं। इन युद्धों के पीछे विस्तारवाद, वैश्विक वर्चस्व की होड़, परमाणु शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा और नाटो जैसे संगठनों में शामिल होने की प्रतिस्पर्धा स्पष्ट दिखाई देती है। कुछ विश्लेषक इन्हें 'ग्लोबल वेपन एक्सपो' तक कहने लगे हैं, जहाँ महाशक्तियाँ अपने हथियारों का प्रदर्शन करते हुए कमजोर देशों को 'टेस्टिंग ग्राउंड' में बदल रही हैं। इस बाजारवादी युग में मानवता और प्रकृति दोनों ही 'कोलेटरल डैमेज' बनकर रह गए हैं।

वर्तमान में ईरान, अमेरिका और इजराइल का त्रिकोण वैश्विक चिंता का केंद्र बना हुआ है। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान पर हिज्बुल्लाह, हमास और हूती जैसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाते रहे हैं। यह भी कहा जाता है कि ईरान इन संगठनों के माध्यम से पश्चिम एशिया में अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। यूरेनियम संवर्धन के सहारे क्षेत्रीय महाशक्ति बनने की उसकी आकांक्षा है।

हालिया सैन्य कार्रवाइयों में अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य ताकत को बहुत ज्यादा क्षति पहुँचाई है, फिर भी ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है,हार मानने के लिए राजी नहीं। अपितु 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य' के माध्यम से वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर उसने अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया है। इस नई व्यवस्था का प्रभाव अब लगभग पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है-आर्थिक दबाव, जन असंतोष और युद्ध-विरोधी स्वर तेजी से उभर रहे हैं। यही कारण है कि आक्रामक शक्तियाँ अब 'सम्मानजनक शांति' की राह तलाश रही हैं। इस परिदृश्य का सबसे विडंबनापूर्ण पक्ष तब सामने आता है, जब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई का दावा करने वाला अमेरिका, ईरान से संवाद के लिए पाकिस्तान को मध्यस्थ बनाता है। वही पाकिस्तान, जो लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों की पनाहगाह रहा है। ओसामा बिन लादेन को शरण देने वाले देश के माध्यम से शांति की पहल, अंतरराष्ट्रीय राजनीति के नैतिक द्वंद्व को उजागर करती है।

यह स्थिति कई प्रश्न खड़े करती है,क्या आतंकवाद की परिभाषा देश,काल,परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है? क्या वैश्विक शक्तियाँ अब सिद्धांतों के बजाय स्वार्थों से संचालित हो रही हैं? यदि आतंक की फैक्ट्री ही शांति का शोरूम खोलने लगे, तो यह मान लेना चाहिए कि आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष कहीं न कहीं केवल दिखावा बनकर रह गया है।

पाकिस्तान में आयोजित शांति वार्ता का विश्लेषण बताता है कि अमेरिका 'प्रतिबंधों की तलवार' और 'शांति के प्रस्ताव' दोनों के साथ इस वार्ता में उपस्थित हुआ, जबकि ईरान ऐस तरह से शर्तें रखी, मानो वह पराजित नहीं, बल्कि निर्णायक स्थिति में हो। यह पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिलता और अवसरवादिता को दर्शाती है। वहीं इजराइल ने इस प्रक्रिया से स्वयं को अलग रखते हुए संकेत दिया है कि बारूद की गंध के बीच शांति संभव नहीं। वहीं चीन और रूस जैसे महाशक्तियां इस पूरे घटनाक्रम में ऊपर से मौन दर्शक बने रहकर रणनीतिक लाभ लेने की स्थिति में हैं,अपना उल्लू सीधा करते हुए दिखाई देते हैं।

सही मायने में देखा जाए तो आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ 'आतंकवाद' की परिभाषा सुविधानुसार बदल दी जाती है। जब तक हिंसा पड़ोसी के घर तक सीमित रहती है, वह स्वतंत्रता के लिए 'संघर्ष' कहलाती है; लेकिन जब वही अपने घर तक पहुँचती है, तो 'आतंकवाद' बन जाती है। यही दोहरा मापदंड वैश्विक शांति और विश्व से आतंकवाद की समाप्ति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।

जिस पाकिस्तान को कल तक 'आर्थिक रूप से जर्जर' और आतंकवाद का आश्रयदाता कहकर विश्व समुदाय कठघरे में खड़ा करता था, आज वही शांति की मशाल थामे मध्यस्थ बनने का दावा कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति का वह विचित्र रंगमंच है, जहाँ पात्र नहीं, भूमिकाएँ बदलती हैं और सत्य अक्सर पर्दे के पीछे छूट जाता है।जब कातिल ही न्यायाधीश की कुर्सी पर आसीन हो जाए, तो यह केवल विडंबना नहीं, बल्कि व्यवस्था की गहरी विकृति का संकेत है। यह वह दौर है जहाँ सिद्धांतों की नहीं, अवसरों की बोली लगती है; जहाँ नैतिकता नहीं, बल्कि रणनीतिक सुविधा ही निर्णयों का आधार बनती है। ऐसे में प्रश्न केवल पाकिस्तान का नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था का है, जो समय-समय पर अपने ही घोषित मूल्यों से समझौता कर लेती है। शायद यही कूटनीति का सबसे कटु सत्य है।

लेखक: **प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश**

पानी ढोती ज़िंदगियाँ: 'वॉटर वाइफ' और ग्रामीण भारत की सच्चाई

भारत जल संकट की उस निर्णायक सीमा पर खड़ा है, जहाँ पानी की घटती उपलब्धता आने वाले समय की गंभीर चेतावनी बन चुकी है। नीति आयोग और केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, 2021 में देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता लगभग 1486 घन मीटर थी, जो 2031 तक घटकर 1367 घन मीटर रहने का अनुमान है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक यह आंकड़ा 1140 घन मीटर तक पहुँच सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार गंभीर जल दुर्लभता की स्थिति है। 1700 घन मीटर से कम उपलब्धता को जल तनाव और 1000 घन मीटर से नीचे को जल संकट माना जाता है। लगभग 60 करोड़ लोग पहले ही उच्च से अत्यधिक जल तनाव में जी रहे हैं, और इसका कारण जनसंख्या वृद्धि, भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और असमान वितरण है। पानी की कमी का सबसे गहरा और मौन बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है। ग्रामीण भारत में जल लाने की जिम्मेदारी लगभग पूरी तरह महिलाओं के हिस्से आती है। महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ठाणे जिले के डेंगनमल जैसे गांवों में 'वॉटर वाइफ' या 'पानी बाई' जैसी कठोर सामाजिक व्यवस्था इसका सबसे तीखा उदाहरण है। यहाँ पानी की कमी इतनी चरम है कि पुरुष अधिक पानी जुटाने के लिए बहुविवाह तक अपनाते हैं, ताकि महिलाओं को पानी ढोने के काम में लगाया जा सके। महिलाएं रोज 5 से 10 किलोमीटर चलकर 15-20 लीटर पानी सिर पर ढोती हैं, जिससे उनकी पीठ, गर्दन और जोड़ों में लगातार दर्द, कमजोरी और कुपोषण सामान्य हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक बन जाती है।

जल संकट केवल शरीर को थकाता नहीं, बल्कि लड़कियों के सपनों और शिक्षा की बुनियाद को भी धीरे-धीरे कमजोर करता है। जब पानी का स्रोत घर से दूर होता है, तो कई परिवार मजबूरी में बेटियों को स्कूल भेजने की बजाय पानी लाने के काम में लगा देते हैं। सूखे के समय स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति तेजी से घट जाती है। स्वच्छ जल और शौचालय की कमी मासिक धर्म स्वच्छता को और कठिन बना देती है, जिससे कई किशोरियां पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा और स्थायी बनाती है। साथ ही, दूर-दराज पानी लेने जाना कई बार सुरक्षा जोखिम और हिंसा की आशंका बढ़ा देता है, जिससे उनका आत्मविश्वास, स्वतंत्रता, शिक्षा और अवसर—चारों सीमित हो जाते हैं। इस गहरे संकट के बीच सबसे मजबूत उम्मीद की किरण उन्हीं हाथों से उभर रही है, जो सबसे अधिक पीड़ा झेल चुके हैं। जो महिलाएं कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर थीं, आज वही बदलाव की अगुवाई कर रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में दलित और पिछड़ी समुदायों की महिलाएं 'जल सहेली' और 'पानी की दीदी' बनकर पुराने कुओं, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों को फिर से जीवित कर रही हैं। वे वर्षा जल संचयन, तालाबों की सफाई और स्थानीय जल संरचनाओं के पुनर्निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कई स्थानों पर महिलाएं छोटे जल भंडारण ढांचे बनाकर खेती, पशुपालन और घरेलू जरूरतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अब वे केवल पानी लाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जल प्रबंधन, गुणवत्ता निगरानी और सामुदायिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं, जो बदलाव की एक नई और सशक्त दिशा दिखाता है। जल जीवन मिशन ने सरकारी स्तर पर ग्रामीण भारत की जल आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय और ठोस बदलाव किया है। 2019 में जहाँ केवल 3.23 करोड़ यानी 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल कनेक्शन पहुँचा था, वहीं मार्च 2026 तक यह संख्या बढ़कर 15.82 करोड़ घरों यानी 81.71 प्रतिशत तक पहुँच गई है। इस अवधि में लगभग 12.58 करोड़ नए घरों तक नल से जल उपलब्ध कराया गया है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं के जीवन पर पड़ा है, क्योंकि जो समय पहले रोज़ पानी ढोने में खर्च होता था, वह अब काफी हद तक बच रहा है। स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों तक भी जल आपूर्ति में सुधार हुआ है, जिससे बुनियादी सुविधाएँ मजबूत हुई हैं। फिर भी, देश अभी भी लगभग 85 प्रतिशत भूजल पर निर्भर है और अपशिष्ट जल प्रबंधन की चुनौती गंभीर बनी हुई है। -**प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'** शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

महाराष्ट्र बॉर्डर पर गोवंश तस्करी पकड़ी, पिकअप से 6 गोवंश मुक्त कराए गए

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●महाराष्ट्र सीमा पर स्थित हेलापडावा चौकी पुलिस ने सोमवार को एक पिकअप वाहन से 6 गोवंश को मुक्त कराया है। कार्रवाई नाकाबंदी के दौरान की गई, जब आरोपी ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस को पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक गोवंश की तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद चेनपुर थाना प्रभारी गेहलोद सेमलिया के निर्देश पर कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी रमेश चंद्र गेहलोद के नेतृत्व में एक टीम ने चौकी के सामने नाकाबंदी की। पुलिस ने पिकअप को रोकने का प्रयास किया, लेकिन ड्राइवर ने वाहन को तेज गति से आगे बढ़ा दिया। पुलिस ने पीछा किया, जिसके बाद ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस टीम आरोपी ड्राइवर की तलाश कर रही है। पुलिस ने धारा 4, 6, 9 मप्र गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम और 11 (घ) पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान ने खेत में जहर पीकर की आत्महत्या, जमीन खरीद में धोखाधड़ी और धमकाने के आरोप लगाए

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● रेहगांव में एक किसान ने अपने खेत में जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली। मृतक किसान की पहचान 43 वर्षीय सालकराम मोतीराम यादव के रूप में हुई है। घटना सोमवार की बताई जा रही है। गोगांवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। इसके बाद थाना प्रभारी दीपक यादव ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर स्थिति को शांत कराया। किसान ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें वह रोते हुए कुछ लोगों के नाम ले रहा है। वीडियो में उसने 45 लाख रुपये की जमीन खरीद में धमकाने और लेनदेन की शर्तें बदलने का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस से परिवार की सुरक्षा और आरोपियों

के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मौके से जहर की बोतल भी बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार, सालकराम ने रेहगांव निवासी राजू गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता और जितेंद्र गुप्ता से 7 एकड़ 52 डिसमिल जमीन का सौदा 45 लाख रुपये में किया था। सौदे की चिट्ठी उसके दोस्त सुरेश मंशाराम यादव के नाम से लिखी गई थी। इसमें एक लाख रुपये बयाना दिया गया था और शेष रकम पांच महीने में चुकाकर जमीन नाम कराने की शर्त तय हुई थी। वीडियो में किसान ने बताया कि उसने सुरेश को 45 लाख रुपये दिए थे और पूरी लिखा-पढ़ी का खर्च भी उसी ने उठाया था। उसने यह भी आरोप लगाया कि राजू और जितेंद्र गुप्ता को 22 लाख 7 हजार 300 रुपये देने के बाद भी वे अपनी बात से मुकर गए। किसान ने बिलखेड़ निवासी श्याम पर भी डराने-धमकाने का आरोप लगाया। उसके अनुसार, श्याम उसे खरीदी गई जमीन पर जाने से रोक रहा था और जान से मारने की धमकी दे रहा था। साथ ही सुरेश और उसका बेटा कमलेश पर भी धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। गोगांवा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने अवैध रेत परिवहन पर की कार्रवाई, नर्मदा नदी से रेत ले जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

धार● जिले के धरमपुरी क्षेत्र में नर्मदा नदी से हो रहे अवैध बालू रेत उत्खनन के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध रेत का परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर धरमपुरी थाने में खड़ा कराया है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई एकलरा और हतनावर के बीच नर्मदा नदी के किनारे की गई। यहां से अवैध रूप से बालू रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से परिवहन किया जा रहा था। धरमपुरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ आरटीओ और खनिज विभाग से संबंधित नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय रेत माफियाओं में खलबली मच गई है। उल्लेखनीय है कि धरमपुरी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन का कारोबार जारी है। रेत माफिया रात के अंधेरे में नर्मदा नदी से रेत निकालकर बिना रॉयल्टी और राजस्व चुकाए धड़ल्ले से परिवहन करते हैं। अवैध रूप से निकाली गई रेत को गुप्त स्थानों पर बड़े पैमाने पर भंडारित किया जाता है। बाद में इसे कम दामों पर बेचा जाता है। खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्रवाई अब तक सीमित और औपचारिक रही है, जिसके कारण अवैध रेत कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है।

मुनीम की कार से 25 लाख रुपए चोरी, मोबाइल पर बात करते समय हुई वारदात

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●अनाज व्यापारी के मुनीम की कार से 25 लाख रुपए से भरा बैग चोरी हो गया। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे जिला सहकारी बैंक के पास दाता हनुमान मंदिर की गली में हुई। पुलिस ने शहर में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अनाज व्यापारी दिनेश जायसवाल के मुनीम ताहेर अली बोहरा खरगोन में डायवर्सन रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा से 27 लाख रुपए निकालकर लाए थे। उन्होंने डायवर्सन रोड पर एक कारोबारी को ढाई लाख रुपए दिए। इसके बाद वे बस स्टैंड होते हुए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के बाहर अपनी कार खड़ी कर मोबाइल पर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात बदमाश ने कार से रुपयों से भरा झोला गायब कर दिया। पीड़ित मुनीम ने तत्काल कोतवाली थाना पहुंचकर घटना की सूचना दी। कोतवाली पुलिस ने शहरी क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर नाकाबंदी कर दी है।

240 परिवारों को रेलवे ने दिए नोटिस, रहवासियों कलेक्टर के पास पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●नेपानगर में मध्य रेलवे द्वारा भुसावल से खंडवा तक प्रस्तावित तीसरी रेलवे लाइन के दायरे में वार्ड नंबर 9 का संजय नगर और वार्ड नंबर 1 का क्षेत्र आ रहा है। रेलवे ने यहां रहने वाले लगभग 240 परिवारों को मकान खाली करने के नोटिस जारी किए हैं, जिससे रहवासियों में बेघर होने का संकट और अनिश्चितता बढ़ गई है। मंगलवार को जन सुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में प्रभावित परिवारों ने जिले के कांग्रेस नेताओं के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कलेक्टर को अपनी परेशानी से अवगत कराया। अजय रघुवंशी, नेपानगर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश सिंह बैस, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू टाक और नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील सहित अन्य नेताओं ने कलेक्टर से चर्चा की। उन्होंने मांग की कि विकास के नाम पर किसी को बेघर न किया जाए और रहवासियों को जमीन के बदले जमीन तथा मकानों का उचित मूल्यांकन कर मुआवजा दिया जाए। कलेक्टर ने इस मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। एक महीने पहले भी उन्हें ऐसे ही नोटिस प्राप्त हुए थे, जिसके बाद उन्होंने नेपानगर में एसडीएम और रेलवे स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा था। नए नोटिस मिलने के बाद चिंतित रहवासी एक बार फिर कांग्रेस नेताओं के साथ शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।

वार्ड नंबर 9 के पार्षद अंबादास सोनवणे ने बताया कि लोग करीब 60 साल से वहां रह रहे हैं और उन्हें मकान के बदले मकान मिलना चाहिए। एक रहवासी रजिया बी ने भी कहा कि उन्हें मकान तोड़ने का नोटिस मिला है, जबकि वे 60-70 साल से वहां रह रहे हैं और जमीन के बदले जमीन की मांग करती हैं।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से गर्ल्स स्कूल में योगा से कबड्डी तक खेल होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● खेलकूद विकास समिति की वार्षिक बैठक सोमवार को एक निजी होटल में हुई। इस बैठक में 29वें ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की घोषणा की गई, जो 1 मई 2026 से सावित्री बाई फुले शासकीय कन्या उमा विद्यालय में शुरू होगा। बैठक में अध्यक्ष मेहुल जैन ने कृष्णदास भगत, राजेंद्र जैन, मनोज मुंशी, समाधान निम्भोरकर, मुरलीधर पाटिल, विद्यानंद देशमुख, कय्यूम सुरूरी, दानिश अजीम, आरुष महाजन, अमर्ष अग्निहोत्री, अश्विन काटे और सूचिका दानेवाले जैसे नए सदस्यों का स्वागत किया। सर्वसम्मति से गजेंद्र पाटिल और समर्थ चिटनिस को समिति संरक्षक, अमर पाटिल को सचिव, दीपेश जाधव को कोषाध्यक्ष और सुनील गुजराती को संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया।

कोषाध्यक्ष विजय कुमार अगनानी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की अंकेक्षित बैलेंस शीट प्रस्तुत की। सीए सुनील महेश्वरी ने समिति के आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा दिया। समिति के जगदीश हजारी ने आगामी शिविर के बारे में जानकारी दी।

इस वर्ष शिविर में योगा, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, कराटे और कबड्डी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। भास्कर डोंगरे, युवराज यादव, लक्ष्मी शाह, नरेंद्र बनोरिया, विद्या पाटिल, गौरव खुराना, पंकज चौरे, दीपक सुखेजा, हरीश महाजन, सूचिका दानेवाले, विद्यानंद देशमुख, ऋषभ शाह, नुपुर शाह, आरुष महाजन और असलम अंसारी सहित कई प्रशिक्षक अपनी सेवाएं देंगे।

पीएम आवास को होटल बनाकर सेक्स रैकेट चलाने के आरोप, नगर परिषद कर्मचारी पर आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले के मूंदी नगर के एक होटल में अनैतिक गतिविधियों के आरोप लगाए हैं। महिलाएं मंगलवार को इसकी शिकायत लेकर जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत करने पहुंची। उन्होंने नगर परिषद के एक कर्मचारी पर आरोप लगाया कि, उसने पीएम आवास योजना का लाभ लेकर एक मल्टी बना ली और उसमें होटल का संचालन करता है। इसी होटल में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। बाहर से लड़कियां बुलाई जाती हैं। मूंदी से पहुंची महिलाओं ने बताया कि, नगर के केनूद रोड़ पर देवश्री होटल है, जिसका मालिक देवेंद्र राठौर हैं, वह नगर परिषद मूंदी में शासकीय कर्मचारी भी है। यहां तक कि उसने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ लिया और करीब 40-50 लाख रुपए लागत की बिल्डिंग बनाकर होटल खोल ली। इसी होटल में उसके द्वारा अनैतिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। भाजपा नेताओं का उसे खुला संरक्षण प्राप्त है। इसी वजह से कोई भी उसके खिलाफ एक्शन नहीं ले रहा है।

महिलाओं ने कहा कि, पुलिस वाले भी देवेंद्र राठौर से मिले हुए हैं। यही कारण है कि, हमें अब कलेक्टर के पास आना पड़ गया। हमारी मांग है कि, मामले की जांच की जाए और होटल को सील कर देवेंद्र राठौर के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। महिलाओं ने कहा कि, होटल में चल रही अनैतिक गतिविधियों से रहवासी परेशान हैं। देवेंद्र राठौर और उसकी दोनों पत्नियों के द्वारा स्कूल-कॉलेज के लड़के और लड़कियों के अलावा जो भी प्रेमी जोड़ा आता है, उन्हें 500-500 रूपए में रूम देता है। दिनभर में कई लोग आते हैं।

संघर्षरत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगा मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी) ● राजस्थान रॉयल्स का विजय क्रम आईपीएल 2026 में जारी था, पर पिछले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। अब बुधवार को उसका सामना अपने परफॉर्मेंस को पाने के लिए संघर्षरत लखनऊ सुपर जायंट्स से है। यह मुकाबला लखनऊ में खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अहम माना जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स को अपनी लय को वापस पाने की चाहत है। वहीं, दूसरी ओर ऋषभ पंत की कप्तानी में खेल रही लखनऊ को अपने हार के सिलसिले को संभालना है। राजस्थान ने इस सीजन की शुरुआत लगातार चार जीत के साथ की थी और अंक तालिका में मजबूत स्थिति बना ली थी। मगर इसके बाद टीम को लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा, वहीं कोलकाता के खिलाफ जीता हुआ मैच हाथ से निकल गया। राजस्थान रॉयल्स के लिए फील्डिंग सबसे बड़ी कमजोरी बनकर उभर रही है। केकेआर के खिलाफ अहम कैच छूटने से मैच का रुख पलट दिया। इसके अलावा बैटिंग में निरंतरता की कमी भी टीम को परेशान कर रही है, खासकर मध्यक्रम और निचला क्रम दबाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति और भी ज्यादा चिंताजनक है। टीम लगातार तीन हार के बाद अंक तालिका में निचले पायदान पर पहुंच गई है। गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में टीम संघर्ष कर रही है। पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में लखनऊ के गेंदबाज पूरी तरह फ्लॉप रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

अहमदाबाद (एजेंसी) ● गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंगे। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी) ●अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है। ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है।

नीतू चंद्रा फिल्म 'आख़री सवाल' के लिए निर्माता की थीं पहली पसंद

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'आख़री सवाल' वाकई इस समय की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतज़ार है। अपनी घोषणा के बाद से ही फिल्म ने काफी चर्चा बटोरी है। हनुमान जी जन्मोत्सव के मौके पर इसका टीज़र रिलीज़ किया गया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास को एक नए अंदाज़ में दिखाया गया है। फिल्म में अभिनेत्री नीतू चंद्रा एक अहम भूमिका निभा रही हैं, और वह इस किरदार के लिए शुरुआत से ही मेकर्स की पहली पसंद थीं। सूत्र ने बताया, 'नीतू चंद्रा हमेशा से 'आख़री सवाल' के लिए निर्माता की पहली पसंद थीं। टीम को शुरू से ही साफ था कि इस किरदार के लिए गहराई और संयम का खास मेल चाहिए, जो उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाता है। अंदर की जानकारी के मुताबिक, उनकी मौजूदगी कहानी में एक अलग गंभीरता लाती है, जो इमोशनल और परतदार कहानी को और मजबूत बनाती है। इसलिए उनका चयन फिल्म के लिए एक अहम रचनात्मक फैसला था।

ऋचा चड्ढा ने जताई इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर चिंता

मुंबई (एजेंसी) ● अक्सर विभिन्न सामाजिक और फिल्मी मुद्दों पर ऋचा चड्ढा खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर गहरी चिंता व्यक्त की है, आखिर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार कमर्शियल एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? अभिनेत्री का मानना है कि ऐसे कलाकार उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित कर पाते हैं और न ही किसी इंडिपेंडेंट फिल्म को प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में कोई विशेष साख दिला पाते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है? यह सवाल सीधे तौर पर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकिंग की कास्टिंग रणनीतियों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऋचा ने स्पष्ट किया कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन उन्होंने ट्रेंड या प्रशिक्षित एक्टर्स के महत्व पर जोर दिया, जो कमर्शियल सितारों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त होते हैं। उनके अनुसार, प्रशिक्षित कलाकारों के साथ कम से कम यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी, जो फिल्म की कलात्मक अखंडता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऋचा ने कहा कि इंडी फिल्मों के पीछे भी अक्सर कमर्शियल सोच होती है, लेकिन कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे में, एक ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके और उसके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी न बढ़ाए, जिससे फिल्म का कुल बजट नियंत्रण में रहे।

उज्जैन संभाग

लेंसकार्ट शोरूम पर बजरंग दल का प्रदर्शन, कर्मचारियों को लगाया तिलक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●फ्रीगंज स्थित लेंसकार्ट शोरूम पर मंगलवार को बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सोशल मीडिया पर लेंसकार्ट कंपनी के एक कथित आदेश के विरोध में किया गया, जिसमें धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध की बात कही गई थी। लेंसकार्ट कंपनी के इस कथित आदेश को लेकर देशभर में विवाद बढ़ रहा है। अब इसका असर धार्मिक नगरी उज्जैन में भी देखने को मिला है। कार्यकर्ताओं ने शोरूम के बाहर नारेबाजी की और कर्मचारियों से इस मुद्दे पर चर्चा की। प्रदर्शन के दौरान, कार्यकर्ताओं ने शोरूम के कर्मचारियों को तिलक लगाया और उन्हें भगवा दुपट्टा पहनाया। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि यदि कंपनी तिलक, कलावा या बिंदी जैसे धार्मिक प्रतीकों पर कोई रोक लगाती है, तो इसकी सूचना उन्हें तुरंत दी जाए। हिंदू संगठनों के सदस्यों ने इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक आस्था से जुड़े प्रतीकों पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध स्वीकार नहीं किया जाएगा। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि कंपनी ने अपने कथित आदेश पर पुनर्विचार नहीं किया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर व्यापार बंद कराने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं।

4 जुआरी धराए, पुलिस ने रेवापुर के जंगल में दबिश दी, दो बाइक भी बरामद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●जिले में अवैध जुआ-सट्टा पर कार्रवाई के तहत हरसूद पुलिस ने रेवापुर जंगल में दबिश देकर चार आरोपियों को जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 30 हजार 800 रुपए नकद, 52 ताश के पत्ते और दो बाइक जब्त की हैं। थाना प्रभारी हरसूद को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेवापुर जंगल में कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने सोमवार रात 8 बजे के करीब मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दबिश दी।? कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार आरोपियों नरसिंह पटेल (निवासी खिरकिया), मुकेश भारद्वाज (निवासी छिपाबड़, जिला हरदा), आजाद खान (निवासी चैनपुर सरकार) और विनोद देवड़ा (निवासी मुगल) को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से नकद राशि, ताश के पत्ते और दो मोटरसाइकिल जब्त की गईं।

अवैध निर्माण पर निगम की कार्रवाई, चार मकान तोड़े

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● आगामी सिंहस्थ को देखते हुए नगर निगम ने प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की। मंगलवार को निगम ने चार निर्माणाधीन मकानों को तोड़ दिया, जबकि तीन मकान मालिकों को दो दिन में निर्माण हटाने का समय दिया गया है। नगर निगम के जोन क्रमांक-1 के सिंहस्थ क्षेत्र में उन्हेल नाके के पास कई लोगों ने बिना अनुमति निर्माण कर लिया था। कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य जारी भी था, जिस पर निगम ने कार्रवाई की।

नगर निगम की रिमूवल गैंग ने पुलिस प्रशासन के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण ध्वस्त किए। जिन मकानों में अभी छत नहीं डली थी, ऐसे चार निर्माण गिराए गए। नगर निगम उपायुक्त संतोष टैगोर के अनुसार सिंहस्थ क्षेत्र में कुल 20 अवैध निर्माण चिन्हित किए गए हैं। इनमें से चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जा रही है। तीन मकानों में रहने वाले लोगों ने घर खाली करने के लिए समय मांगा। इस पर निगम ने उन्हें दो दिन का समय दिया है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ मेले के लिए क्षेत्र खाली रखना जरूरी है। सभी लोगों से अपील की गई है कि कोई भी अवैध निर्माण न करें।

सड़क पर पड़े मुरूम के ढेर ने ली जान, शादी से लौट रहे 3 लोगों की बाइक टकराई एक की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बीड़ रोड स्थित मूंदी मंडी के पास सोमवार देर रात शादी समारोह से लौट रहे 3 लोगों की बाइक अंधेरे में सड़क किनारे पड़े मुरूम (गिट्टी-मिट्टी) के ढेर से टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके 2 साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है, वहीं हादसे के बाद भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने सड़क निर्माण ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करने की मांग की है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्राम दैत निवासी विजय सिंह (28) पिता भुवत सिंह भिलाला गांव में ही टेलरिंग (दर्जी) का काम करता था। सोमवार को वह अपने साथी राजेंद्र सिंह (35) और 12 वर्षीय सूरज सिंह के साथ ग्राम मांडला में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। देर रात जब तीनों एक ही बाइक से वापस लौट रहे थे, तभी मूंदी मंडी के पास अंधेरे में सड़क किनारे पड़े मुरूम के ढेर से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसा इतना तेज था कि बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत मूंदी के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उपचार के दौरान विजय सिंह ने दम तोड़ दिया। अस्पताल की डॉक्टर शिखा चंद्रवंशी ने राजेंद्र सिंह और सूरज सिंह का प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए दोनों को खंडवा जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। विजय सिंह की मौत के बाद उसके गांव दैत में शोक का माहौल है।

कार्मेल स्कूल बस से टकराई बाइक, 3 लोग गंभीर घायल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन जिले के घट्टिया में मंगलवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। जगोटी फंटा पर कार्मेल स्कूल की बस और बाइक की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बस में सवार सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

जानकारी के मुताबिक उज्जैन के मोहननगर निवासी कैलाश सिंह अपनी पत्नी सीमा बाई और छोटे भाई मांगीलाल के साथ बाइक से आगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जगोटी फंटे के पास सामने से आ रही स्कूल बस से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक बस के नीचे फंस गई और तीनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर तैनात पुलिसकर्मी दीपक यादव ने तुरंत रेस्क्यू करते हुए बस के नीचे फंसे घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर तीनों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

हादसे के वक्त बस में स्कूली बच्चे भी मौजूद थे, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी भी बच्चे को चोट नहीं आई। सभी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

जिला अस्पताल रेफर, जांच जारी- घायलों को पहले घट्टिया के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय उज्जैन रेफर किया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

पोस्ट ऑफिस द्वारा आधार कार्ड संबंधित सेवाओं के लिए विशेष अभियान 25 को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर नगर डाक संभाग द्वारा आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाकघरों (पोस्ट ऑफिस) के आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन सेवा केन्द्रों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेट तथा आधार डेटा में मोबाइल एवं ईमेल लिंक कराने जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। जानकारी के अनुसार यह विशेष अभियान 25 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 23 एवं 24 अप्रैल को टोकन वितरण किया जाएगा। अभियान के दिन 25 अप्रैल को सभी आधार केन्द्र प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित रहेंगे। डाक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम डाकघर आधार केन्द्र पर पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। शहर के इंदौर जीपीओ, नगर मुख्य डाकघर, सिटी-2, वल्लभ नगर, बिजासन, विजयनगर, आर्मी हेड क्वार्टर, सुदामा नगर, नंदानगर, राजेंद्र नगर, खातीवाला टैंक, इंडस्ट्री स्टेट, कनाड़िया रोड, तिलक नगर, कलेक्ट्रेट, मनोरमागंज एवं लोकमान्य नगर सहित विभिन्न डाकघरों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

कलेक्टर साहब गांव के तालाबों का अस्तित्व बचा लीजिए

जनपद और खनिज विभाग के अधिकारी ठेकदार के आगे बने कठपुतली

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

मेंढकवास गोकलपुर में हो रहे है अवैध खनन को लेकर अब इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा से कार्यवाही की उम्मीद है, क्योंकि देपालपुर में बैठे जिम्मेदार अधिकारी अब कठपुतली की तरह नजर आते हैं। जनपद सीईओ के पास जाओ तो गोलमोल जवाब मिलता है। एसडीएम के पास जाओ तो मैं जितना कर सकता हूं उतना मैंने किया। अब आप जिला पंचायत सीईओ से बात करें इतना ही नहीं माइनिंग विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी आलोक अग्रवाल क्षेत्र से गायब है। फोन लगाओ तो उठता नहीं कार्यवाही की बात पूछो तो कहते हैं कि मैं मौके पर जाता हूं। तहसील मुख्यालय के तीनों ही अधिकारियों के दावे अब खोखले साबित हो गए। क्योंकि तालाबों की दुर्दशा देखकर लगता है कि अब इनका अस्तित्व ही खत्म हो गया जानकारी मैं आपको बता दें इंगोरिया से देपालपुर रोड निर्माण का काम चल रहा है। वहां लगने वाली मिट्टी तालाबों से निकाली जा रही लेकिन शासन का आदेश था, कि तालाब की खुदाई नियमित रूप से होना चाहिए लेकिन जैनको इंटरप्राइजेज के ठेकेदार ने तालाब खुदाई करके बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील कर दिया। जब इस बात की भनक गांव वालों को लगी तो उन्होंने इसका खुलकर विरोध किया लेकिन आजतक ना जनपद सीईओ ने कार्यवाही की ना खनिज

अवैध खनन मामले में अधिकारियों के दावे खोखले साबित हुए

मेंढकवास तालाब को इतना खोदा जमीन से निकाल दी मुरम

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

इंगोरिया से देपालपुर रोड निर्माण को लेकर हो रहा अवैध खनन अब अधिकारियों के लिए सर दर्द बन गया एमपीआरडीसी के अधीन एजेंसी जैनको इंटरप्राइजेज लगातार ठेकेदार के माध्यम से अवैध खनन का कार्य करवा रहे। तालाबों से निकाली गई मिट्टी का उपयोग रोड बनाने में किया गया। लेकिन शासन और प्रशासन के नियमों कि ठेकेदार खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे, तालाबों को इस कदर खोदा गया की जमीन से मुरम तक निकाल दी गई। इतना ही नहीं ठेकेदार ने गलत तरीके से तालाब खुदाई की है। नियम से लगभग 8 फीट ज्यादा खोदा गया जनपद सीईओ पूजा मालाकार ने एक आदेश जारी कर तालाब सुधारने के निर्देश दिए थे लेकिन ठेकेदार ने तालाब सुधारने के नाम पर केवल लीपापोती की कुछ ही हिस्सों में मिट्टी डालकर मामले को रफा दफा करने में लगा है। ठेकेदार ने सबसे ज्यादा खराब स्थिति मेंढकवास के तालाब की है जहां 20 फीट से अधिक तालाब खोदा गया है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे किए गए हैं बड़ी मात्रा में मुरम भी निकाली गई है, लेकिन माइनिंग विभाग के जिम्मेदार अधिकारी आलोक अग्रवाल क्षेत्र से गायब है। फोन व उठाते नहीं देपालपुर क्षेत्र में जगह-जगह रोड के नाम पर मिट्टी का अवैध खनन हो रहा है। ठेकेदार से इनकी मिलीभगत तो नही अग्रवाल क्षेत्र के सबसे निष्क्रिय अधिकारी साबित हो रहे हैं जिनके संरक्षण में तालाबों का अस्तित्व खतरे में दिखाई दे रहा है।

देपालपुर जनपद सीईओ पूजा मालाकार के दावे खोखले साबित हुए हैं उन्होंने कहा था। मिट्टी खनन कहीं भी नियम के विरुद्ध नहीं होगा लेकिन ठेकेदार ने उनके आदेश और उनके नियमो को खूंटी पर टांग कर रख दिया। सीईओ का आदेश ठेकेदार के लिए एक कागज का टुकड़ा बनकर रह गया। आदेश का अमल होता तो अवैध उत्खनन अबतक बंद हो जाता। जैनको इंटरप्राइजेज के एक ठेकेदार ने अधिकारियों की हवा निकाल दी ना नियम ना कानून ना कायदे इससे स्पष्ट पता चलता है, कि ठेकेदार के आगे कानून का पाठ नहीं चल रहा ठेकेदार अपने रसूख के दम पर तालाबों को खोखला कर रहे। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन भी अवैध खनन रोकने में नाकाम साबित हुए जिस प्रकार से देपालपुर क्षेत्र में अवैध खनन का कार्य चल रहा है कहीं ना कहीं प्रशासनिक अधिकारियों की कमजोरी को दर्शा रहा है लगातार अखबारों में अवैध खनन को लेकर खबरें प्रकाशित हो रही। लेकिन उसके बावजूद भी कार्यवाही नहीं होना अधिकारियों की नाकामी दिखा रहा है इस मामले में जिला पंचायत सीईओ से बात करना चाहि तो उन्होंने अपना फोन नहीं उठाया। देपालपुर तहसील मुख्यालय पर बैठे एसडीएम, जनपद सीईओ, माइनिंग विभाग के अधिकारी अवैध खनन रोकने में अपना पसीना बहा चुके हैं। लेकिन अवैध खनन नहीं रोक पाए अधिकारियों में आखिर किसका डर है। जो कार्यवाही को बार बार रोकने की कोशिश कर रहा। ग्रामवासियों को कलेक्टर शिवम वर्मा से कार्यवाही की उम्मीद है। अवैध खनन रोकने में ग्रामवासीयो की मदद कर सकते हैं सूत्र बताते हैं अवैध खनन मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा को गांववाले शिकायत करने की तैयारी में है समय रहते माइनिंग विभाग और जनपद सीईओ नहीं जागे तो वीडियो फुटेज के साथ कलेक्टर को शिकायत करेंगे अब देखना होगा इंदौर कलेक्टर का डंडा चलेगा या फिर देपालपुर के तहसील मुख्यालय पर बैठे अधिकारी कार्यवाही करेंगे।

विभाग के अधिकारियों ने इतना ही नहीं जैनको इंटरप्राइजेज के ठेकेदार ने भी काम बंद नहीं किया और लगातार सिंहस्थ के नाम पर तालाबों के अस्तित्व को मिटाने का काम किया गया। फिर भी अधिकारियों की नींद नहीं खुली मेंढकवास तालाब से कही हिस्सों में मुरम निकाल दी गई उसके बावजूद भी माइनिंग विभाग के अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में नहीं लिया कुर्सी पर बैठे अफसर भाजपा सरकार के दामन पर भ्रष्टाचार का दाग लगाने का प्रयास कर रहे हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है, की अवैध खनन मामले में जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही क्यों नहीं कर पा रहे। सूत्र बताते यह रोड सीएम के क्षेत्र से निकलता है। इसलिए अधिकारी हाथ डालना नहीं चाहते हैं या फिर मिट्टी को लेकर कोई बड़ी डील अधिकारियों से हो गई और यही डील कार्यवाही करने में रोड़ा बन रही अब अवैध खनन मामले में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा से कार्यवाही की उम्मीद जताई जा रही है और कहां जा रहा है । कलेक्टर साहब गांव के तालाबों का अस्तित्व अब खत्म हो जाएगा इसलिए आपकी कार्यवाही के निर्देश का इंतजार गांव की जनता को है। आम जनता को आपसे ही उम्मीद है, प्रशासनिक मामले में जिस प्रकार आप ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हैं। ठीक उसी प्रकार देपालपुर के ग्रामीण क्षेत्र के तालाबों का अस्तित्व आप बचा सकते हैं क्योंकि 10 दिनों में तो यहाँ के अधिकारियों के कानों में अवैध खनन की आवाज नहीं पहुंची लेकिन आप ही क्षेत्र के तालाबों का उद्धार कर सकते हो।

देपालपुर के एक नहीं अनेक गांव अवैध खनन की भेट चढ़ चुके है पश्चिम रिंग रोड के लिए भी गांव-गांव से मिट्टी निकालने का काम हुआ है लेकिन वहां भी किसी ने ध्यान नहीं दिया अवैध खनन को लेकर कुछ गांवों के नाम आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं गोकलपुर, मेंढकवास, फरकोंदा, चादेर, गंगाजलखेड़ी, बडोलीहोज, पालड़ी क्षेत्र के ऐसे कहीं गांव है जहां अवैध खनन हो रहा है नियम और जरूरत से ज्यादा तालाब को खोदा जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन का भी ध्यान ग्रामीण क्षेत्र में नहीं है देपालपुर जनपद पंचायत सिद्धार्थ जैन के अधीन आती है लेकिन वह भी अवैध खनन मामले में कोई बड़ा निर्णय नहीं ले पाए

मध्य प्रदेश सरकार एक तरफ तो तालाबों का अस्तित्व सुधारने में लगी है वही विभाग में बैठे हैं कुछ अधिकारी सरकार के आदेशों को पलीता लगा रहे। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा क्या देपालपुर में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देंगे या फिर अवैध खनन करने वालों का माफिया राज चलेगा कलेक्टर साहब गांव के तालाब आप ही बचा सकते हो समय रहते इन तालाबों को नहीं बचाया गया तो आने वाले समय में आम जनता को इसकी तकलीफ उठाना पड़ेगी उम्मीद है आपके नेतृत्व में गांव वालों को न्याय मिलेगा।

आया गर्मी का मौसम : निगम ने स्विमिंग पूल की दरों में चार गुना वृद्धि की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम ने हाल ही में संपत्तिकर और जलकर के रूप में करोड़ों की कमाई करते हुए अपनी पीठ थपथपाई थी। वहीं शहर में स्वास्थ्य को लेकर महापौर और उनकी टीम नित नए प्रयोग कर रही है. लेकिन स्वास्थ्य के लिए जरूरी स्विमिंग फूल के शुल्क में चार गुना वृद्धि कर दी गई है।

शहर में पिछले 50 वर्षों में कुल जमा दो ही स्विमिंग पूल आम जनता के लिए नजर आते हैं। मतलब पिछले दो दशकों से निगम पर भाजपा का कब्जा होने के बावजूद आम जनता को एक भी नया स्विमिंग पूल नहीं मिल पाया। दूसरी और नेहरू पार्क वाला स्विमिंग पूल तो पिछले डेढ़ साल से बंद पड़ा है। दूसरा स्विमिंग पूल जो कि मह नाका पर स्थित है, केवल वही चालू है। अब आम जनता केवल एक स्विमिंग पूल के भरोसे ही है, किंतु उस पर भी चार गुना शुल्क वृद्धि कर दी गई है।

आपदा में अवसर भाजपाइयों ने कई बार 'आपदा में अवसर' जैसे वाक्य का प्रयोग किया है। ऐसा लगता है कि शहर में अब नगर निगम पूरी तरह व्यापारिक क्रियाकलाप करने लगा है। जहां एक ओर आम जनता के लिए सिर्फ एक स्विमिंग पूल बचा है तो स्वाभाविक है भीड़ वहीं पर आना है और इस भीड़ से नगर निगम कमाई का रास्ता ढूंढता नजर आ रहा है। निगम ने इस बार स्विमिंग पूल के शुल्क में 1-2-3 नहीं, सीधे चार गुना वृद्धि कर दी है। पिछले शुल्क पर नजर डालें तो 6 माह के लिए 1240 रुपए निर्धारित था जबकि इस बार यह सीधा 5000 कर दिया गया है। यानी शुल्क अब 10 हजार रुपए, सालाना हो गया है। नेता प्रतिपक्ष ने जताई आपत्ति नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने इस शुल्क वृद्धि पर घोर आपत्ति जताते हुए कहा है कि एक तरफ तो महापौर स्वास्थ्य सेकओं की वृद्धि के लिए जुमलेबाजी करते नजर आ रहे हैं। हर वार्ड में योग और जिम बनाने की बात कही जा रही है।

इंदौर पुलिस पर वारंट तामीली में लगे 22 तोला सोना लूट के आरोप में सीपी संतोष सिंह की चेतावनी- कठोर कार्रवाई होगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के सबसे क्रीम थाना माने जाने वाले लसूड़िया थाने के पांच पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। वारंट तामीली के दौरान जबरदस्ती घर में घुसने, मास्टर चाबी से घर खोलने, घर से 22.50 तोला सोना के साथ ही चांदी के सिक्के, मोबाइल, घड़ियां चोरी करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में शिकायतकर्ता गौरव जैन की शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने इसकी जांच कराई। प्रारंभिक जांच के बाद एसआई और चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। लेकिन मामला यहीं नहीं थमने वाला है। सीपी सिंह ने इस मामले में कठोर चेतावनी दी है।

पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने मंगलवार 21 अप्रैल को इस मामले में पहली बार प्रतिक्रिया दी। सिंह ने कहा कि वारंट तामीली की जो प्रक्रिया होती है, इसे नियमानुसार नहीं पाया गया है। डीसीपी से जांच करने के लिए कहा था और इसके बाद पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है। मामले में अभी और जांच की जा रही है। यह जांचा जा रहा है कि ग्वालियर कोर्ट से जारी वारंट को क्या किसी ने रूचि लेकर और षड्यंत्रपूर्वक स्थानीय पुलिस अधिकारियों को विश्वास में लेकर यहां तामीली के लिए भेजा था। इस मामले में शुरू से अंत तक क्या हुआ है और किन लोगों की भागीदारी रही है, इसे जांचा जा रहा है। लसूड़िया थाने के एसआई संजय विश्नोई के साथ ही प्रधान आरक्षक राकेश शर्मा, प्रणित भदौरिया, रवींद्र कुशवाह, दिनेश गुर्जर और दीपेंद्र मिश्रा पर कार्रवाई हुई है। इसके साथ ही गौरव ने प्रधान आरक्षक राकेश शर्मा पर 27 हजार रिश्वत मांगने के भी आरोप लगाए हैं। गौरव अपने वकील से संपर्क करना चाहता था, इसके लिए आरक्षक शर्मा ने 10 हजार रुपए दोस्त के खाते में और 17 हजार रुपए अपने बेटे के खाते में गौरव से लिए। गौरव को थाने में ना रखते हुए पास के गेस्ट हाउस में रखा और आरोप है कि वहां भी रिटायर्ड सीएसपी राकेश गुप्ता के दो साथियों से पिटवाया।

यह लगे हैं गंभीर आरोप

मामला मध्य प्रदेश के इंदौर के हरिदर्शन अपार्टमेंट निवासी गौरव जैन से जुड़ा है। रिटायर्ड सीएसपी राकेश गुप्ता की शिकायत पर इनके खिलाफ ग्वालियर जिला कोर्ट से चेक बाउंस केस में गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ। दोनों के बीच 65 लाख के लेनदेन का विवाद है। आरोप है कि एक अप्रैल की रात 11.45 बजे एसआई संजय विश्नोई के साथ यह पुलिसकर्मी तामीली के लिए गौरव के फ्लैट पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि घर में घुसने के दौरान पहले फ्लैट के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। फिर नकली चाबी से ताला खोलकर पुलिसकर्मी घर में घुसे और घर की तलाशी ली। आरोप है कि इसी दबिश के दौरान जैन की पत्नी के 22.50 तोला सोने के जेवर गायब कर दिए गए। साथ ही चांदी के सिक्के, घड़ियां, मोबाइल व अन्य दस्तावेज भी लिए गए।

चाहे पुलिसकर्मी हो या रिटायर्ड पुलिस अधिकारी

सीपी सिंह ने कहा कि अभी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है, लेकिन यह भी देखा जा रहा है कि किसी तरह की आपराधिक गतिविधि तो नहीं हुई है। यदि यह पाई गई, तो पुलिसकर्मी हो, प्राइवेट व्यक्ति या फिर रिटायर्ड पुलिस अधिकारी हो, उस पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई होगी। जांच होने से कुछ ही दिनों में यह होगा, जो भी इसमें शामिल होगा उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई होगी और अनुशासनात्मक कार्रवाई भी।

निर्मला सप्रे मामले में हो सकता है जल्द फैसला, आज विस अध्यक्ष करेंगे सुनवाई

कांग्रेस ने की सदन से सदस्यता समाप्त करने की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल के मामले में चल रही प्रक्रिया अब अपने अंतिम दौर में जाती दिख रही है। विधानसभा अध्यक्ष ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया है। वे वे नेता प्रतिपक्ष का पक्ष सुनेंगे वहीं निर्मला सप्रे को विधानसभा से अब तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर निर्मल सप्रे का बीना सीट से निर्वाचन शून्य करने की मांग की है। इसके पहले उन्होंने 30 जून 2024 को विधानसभा सचिवालय में भी इस संबंध में आवेदन देकर निर्मल सप्रे के खिलाफ दल बदल कानून के तहत कार्यवाही की मांग की थी।

इसमें उन्होंने कहा है कि पांच मई 2024 को सागर जिले के राहतगढ़ में आयोजित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के एक कार्यक्रम में वे उपस्थित थीं और उन्होंने भाजपा की ज्वाइन कर ली है। मामले की हाईकोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। राज्य सरकार ने इस मामले में कोर्ट को बताया है कि 22 अप्रैल को विधानसभा अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष का पक्ष सुनेंगे।

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर सख्त कार्रवाई, दो रूफटॉप रेस्टोरेंट सील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अग्नि सुरक्षा प्रबंधों को लेकर सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले भवनों एवं संस्थानों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज जोन क्रमांक-07, वार्ड क्रमांक-29 अंतर्गत पीयू-3 स्कीम नंबर-54 के भूखंड क्रमांक 13-14 एवं 32-33 पर स्थित भवनों में बड़ी कार्रवाई की गई। यहां रूफटॉप पर संचालित कबीला वेज बारबेक्यूज़ एवं एयरन हाइट रेस्टोरेंट एंड किचन में अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक उपकरण नहीं पाए गए। साथ ही बिना स्वीकृति के किचन संचालन भी किया जा रहा था। इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए प्रशासन द्वारा दोनों रूफटॉप रेस्टोरेंट्स को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

कर्ज से दबे शासन ने बच्चों को मिलने वाली सुविधा से हाथे खींचे

नए बनने वाले सांदीपनी स्कूलों में नहीं मिलेगी बच्चों को बस की सुविधा

- स्कूल बसों के संचालन पर आ रहे भारी-भरकम खर्च और स्कूलों से घरों की कम दूरी को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने लिया निर्णय
- सेकंड फेज में 200 सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण करना प्रस्तावित है
- वर्तमान में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम संभाग के 22 जिलों में सांदीपनि विद्यालयों में स्कूल बसों का संचालन हो रहा है

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/भोपाल • भारी-भरकम कर्ज के बोझ तले दबी मप्र सरकार ने सांदीपनि विद्यालयों में बसों के संचालन को लेकर बडा निर्णय लिया है। सरकार ने तय किया है कि प्रदेश में सेकंड फेज में बनने जा रहे सांदीपनि विद्यालयों में स्कूल बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। स्कूल बसों के संचालन पर होने वाले खर्च और विद्यालय से बच्चों के घरों की कम दूरी को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। सरकार सांदीपनि विद्यालयों की छात्राओं को घर से स्कूल आने-जाने के लिए साइकिलों का वितरण कर रही है। प्रदेश में सेकंड फेज में 200 सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। पहले फेज में 370 सांदीपनि विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 274 सांदीपनि विद्यालय स्कूल शिक्षा विभाग के और 96 जनजातीय कार्य विभाग के हैं। इनमें से 92 सांदीपनि विद्यालयों के का निर्माण पूरा हो चुका है।

नए भवनों आधिकारिक जानकारी के मुताबिक वर्तमान में भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग के 22 जिलों के सांदीपनि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को घर से स्कूल लाने ले जाने के लिए स्कूल बसों का संचालन किया जा रहा है। स्कूल बसें संचालित करने पर वर्तमान में सालाना 150 करोड़ से ज्यादा राशि खर्च हो रही है। सरकार ने प्रायवेट एजेंसी से स्कूल बसें हायर की हैं। अधिकारियों का कहना है कि यदि सरकार पूरे प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों में बसों का संचालन करती है, तो इस पर सालाना करीब 400 करोड़ रुपए खर्च होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब सांदीपनि विद्यालयों में स्कूल बसें चलाने का निर्णय हुआ था, तब कई छात्र-छात्राओं का अपने घरों से 15-20 किलोमीटर दूर स्थित स्कूलों तक आना-जाना अनुमानित था। उस समय विद्यार्थियों के लिए

स्कूल बस सुविधा बेहद जरूरी थी, लेकिन अब परिस्थितियों में बदलाव आया है। अधिकारियों के मुताबिक वर्तमान में सांदीपनि विद्यालयों की संख्या बढ़ने से विद्यार्थी अपने घर के नजदीक स्थित विद्यालयों में ही प्रवेश ले रहे हैं। अब छात्रों के घर से स्कूल की अधिकतम दूरी 6 से 7 किलोमीटर रह गई है। ऐसे में विभाग का मानना है कि यह दूरी छात्र साइकिल के माध्यम से आसानी से तय कर सकते हैं।

मोहन सरकार ने बदला सीएम राइज का नाम-तत्कालीन शिवराज सरकार ने वर्ष 2021 में 9200 सीएम राइज स्कूल (अब सांदीपनि विद्यालय) खोलने का निर्णय लिया था। 22 जून, 2021 को कैबिनेट की बैठक में सीएम राइज स्कूलों के लिए 6952 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। सीएम राइज स्कूल का उद्देश्य बच्चों को ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देने के साथ ही भारतीय संस्कृति और संस्कारों की शिक्षा देना है। प्रदेश में जिला, विकासखंड, संकुल और गांवों के समूह स्तरों पर सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण प्रस्तावित है। बता दें कि मोहन सरकार ने अप्रैल, 2025 में सीएम राइज स्कूल का नाम बदलकर सांदीपनि विद्यालय कर दिया था।

सांदीपनि विद्यालयों की मुख्य विशेषताएं-अच्छा बुनियादी ढांचा, शत-प्रतिशत शिक्षक और अन्य कर्मचारी, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लर्निंग, हिंदी के साथ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं और समृद्ध पुस्तकालय, व्यावसायिक शिक्षा और अभिभावकों की सहभागिता।

पुरानी बसों का संचालन बंद नहीं होगा

अधिकारियों का कहना है कि जिन जिलों के सांदीपनि स्कूलों में वर्तमान में स्कूल बसों का संचालन हो रहा है। वहां आने वाले समय में भी बसों का संचालन नियमित रूप से किया जाएगा। इन विद्यालयों में स्कूल बसें बंद नहीं की जाएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।